दैनिक
छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026
website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 156 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये | सोमवार 08 सितंबर 2025 | डाक-मंगलवार 09 सितंबर 2025 | chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

कैंसर खत्म करने वाला टीका तैयार, रूस ने बनाई वैक्सीन, वैज्ञानिकों का दावा, सभी ट्रायल में कामयाब

मॉस्को ,08 सितंबर (एजेंसी)। रूस ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नई सफलता हासिल की है। वहां की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने कैंसर की वैक्सीन तैयार की है। एफएमबीए प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा ने कहा कि रूसी एंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन अब इस्तेमाल के लिए तैयार है। एमआरएनए-बेस्ड इस वैक्सीन ने सभी प्री-क्लीनिकल टेस्ट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है, जिससे इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता साबित हो गई है। इस टीके का प्रारंभिक लक्ष्य कोलोरेक्टल कैंसर (कोलन कैंसर) होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के कैंसर वैक्सीन ने शानदार प्रदर्शन किया है और एफएमबीए की प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) में इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रीक्लिनिकल ट्रायल्स टीके की सुरक्षा, बार-बार इस्तेमाल के बावजूद इसकी प्रभावशीलता की पुष्टि करते हैं। शोधकर्ताओं ने इस दौरान ट्यूमर के आकार में कमी और ट्यूमर के विकास में कमी देखी। इसके अलावा अध्ययनों ने टीके के कारण मरीज की जीवित रहने की दर में वृद्धि का भी संकेत दिया। इस टीके का शुरुआती टारगेट कोलोरेक्टल कैंसर होगा। इसके अलावा ग्लियोब्लास्टोमा (ब्रेन कैंसर) और विशिष्ट प्रकार के मेलेनोमा, जिनमें ऑक्यूलर मेलेनोमा (एक प्रकार का आंख का कैंसर) के लिए टीके विकसित करने में उम्मीद बांधने वाली प्रगति हुई है, जो वर्तमान में अपनी एंडवांस स्टेज पर हैं।

वाह वाह

चिंटू ने अपनी मां से बुरी तरह पीटने के बाद अपने पिता से पूछा- आप कभी पाकिस्तान गए हो?

पिता- नहीं बेटा

चिंटू- कभी अफगानिस्तान गए हो?

पिता- नहीं बेटा

चिंटू- तो फिर यह आंतकवादी आइटम कहां से लाये....

आर्थर रोड जेल, बैरक नंबर... मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की तैयारी तेज! भारत ने बेल्जियम से शेयर की सारी डिटेल्स

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसी)। भारत के लिए मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण अब चर्चा का बड़ा विषय बन चुका है। 66 साल के इस कारोबारी पर पंजाब नेशनल बैंक में 12,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। बेल्जियम के एंटवर्प में उनकी गिरफ्तारी के बाद भारत ने प्रत्यर्पण के लिए जोरदार कोशिशें शुरू की हैं।

भारत ने बेल्जियम को भरोसा दिलाया है कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में ह्यूमन राइट्स के मुताबिक रखा जाएगा। लेकिन सवाल ये है कि क्या वाकई चोकसी को वहां वो सुविधाएं मिलेंगी, जो भारत दावा कर रहा है? भारत ने बेल्जियम को एक पत्र भेजकर बताया कि चोकसी को आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस जेल में उन्हें साफ-सुथरी चटाई, तकिया, चादर और कंबल दिया जाएगा।

अगर मेडिकल जरूरत पड़ी तो लकड़ी या लोहे का बिस्तर भी मुहैया कराया जाएगा। उनके वकीलों का कहना है कि चोकसी को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी है, इसलिए उनकी सेहत का खास ख्याल रखना होगा।

भारत का दावा है कि चोकसी को जेल में साफ पानी, 24 घंटे मेडिकल सुविधा और अच्छा खाना मिलेगा। जेल की साफ-सफाई रोज होगी और बैरक में रोशनी व हवा का पूरा इंतजाम होगा।

उन्हें हर दिन एक घंटे से ज्यादा वक्त बाहर टहलने, व्यायाम करने और मनोरंजन के लिए दिया जाएगा। मुंबई का मौसम साल भर सामान्य रहता है, इसलिए न तो हीटिंग की जरूरत है और न ही एयर कंडीशनिंग की दरकार है।

जेल में खाने की बात करें तो चोकसी को दिन में तीन बार भोजन मिलेगा। अगर मेडिकल वजह से खास डाइट की जरूरत पड़ी तो वो भी दी जाएगी। जेल में एक कैंटीन है, जहां से फल और हल्के-फुल्के नाश्ते खरीदे जा सकते हैं। इसके अलावा, योग, मेडिटेशन, लाइब्रेरी और बोर्ड गेम्स जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। चोकसी को ताजी हवा में टहलने के लिए खुला आंगन और बैडमिंटन खेलने का मौका भी मिलेगा।

कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर, तीन जवान घायल

श्रीनगर,08 सितंबर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के गुद्दर वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच सोमवार को मुठभेड़ हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम ने गुद्दर वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

सुरक्षाबलों ने इस मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराने में सफलता पाई है। मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का बताया जा रहा है। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेर लिया है और आतंकियों की तलाश जारी है। मुठभेड़ के दौरान तीन जवान भी घायल हुए हैं। घायलों में एक सेना का अधिकारी भी शामिल है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायीं। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी जारी है। कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बलों को इलाके में भेजा गया है।

नायर हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप

मुंबई ,08 सितंबर (एजेंसी)। त्योहारी सीजन और गणेश विसर्जन को लेकर पहले से ही हाई अलर्ट पर चल रही मुंबई पुलिस को रविवार को एक और बम की धमकी ने परेशान कर दिया। शहर के प्रतिष्ठित नायर अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया, जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते को कई घंटों तक सघन तलाशी अभियान चलाना पड़ा। जांच के बाद यह धमकी भी झूठी निकली। चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ समय से मुंबई को लगातार ऐसी झूठी धमकियों से निशाना बनाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला शनिवार देर रात का है। करीब 11 बजे नायर अस्पताल के डीन को एक ईमेल मिला, जिसमें अस्पताल परिसर में बम होने और उसे उड़ा देने की बात लिखी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत स्थानीय पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। टीमों ने अस्पताल के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन घंटों की मशक्कत के बाद भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई, जिसके बाद धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया।

श्रद्धालुओं की जेब पर बढ़ेगा बोझ, केदारनाथ के लिए 40% तक महंगा हो सकता है हेलीकॉप्टर का सफर

देहरादून ,08 सितंबर (एजेंसी)। मानसून की विदाई के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का दूसरा चरण 15 सितंबर से फिर से परवान चढ़ने की उम्मीद है। लेकिन इस बार केदारनाथ धाम के दर्शन हेलीकॉप्टर से करने वाले श्रद्धालुओं को अपनी जेब काफी ढीली करनी पड़ सकती है। नए और सख्त सुरक्षा मानकों के कारण हेली सेवाओं के किराए में 40 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़ोतरी होने की आशंका है।

प्रदेश में इस साल हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने दूसरे चरण के लिए नियम बेहद कड़े कर दिए हैं। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) द्वारा तय किए गए नए मानकों के अनुसार, अब हेलीकॉप्टर कंपनियां न तो मनमाने तरीके से फेरे लगा पाएंगी और न ही क्षमता से अधिक यात्री बिठा पाएंगी। खराब मौसम में उड़ान भरने पर भी पूरी तरह से पाबंदी होगी। इन बदलावों के कारण हेलीकॉप्टरों के फेरे कम होंगे, जिससे लागत बढ़ेगी और इसका सीधा असर किराए पर पड़ेगा।

पहले चरण में जहां 9 हेली कंपनियां रोजाना 250 से 270 तक उड़ानें भरती थीं, वहीं अब नए नियमों के तहत केवल 7 कंपनियों को ही अनुमति दी गई है और वे एक तरफ से केवल 184 उड़ानें ही भर सकेंगी। उड़ानों की निगरानी के लिए भी एक विशेष तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिसमें डीजीसीए, एटीसी और यूकाडा के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा, मौसम की सटीक जानकारी के लिए वेदर स्टेशन भी लगाए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए हेली सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग 10 सितंबर से शुरू की जाएगी, और सेवाएं 15 सितंबर से संचालित होंगी। सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है - यात्रा को महंगा होने के बावजूद पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित बनाना।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने के लिए भारत-ईयू आए साथ! एफटीए समेत कई मुद्दों पर बन गया खास प्लान

नई दिल्ली ,08 सितंबर (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब रफ्तार पकड़ रही है। नई दिल्ली में 8 सितंबर से शुरू होने वाली 13वीं दौर की वार्ता में दोनों पक्ष गंभीर मसलों पर ध्यान देंगे। गैर-टैरिफ रुकावटें, बाजार में पहुंच, और सरकारी खरीद जैसे मुद्दे इस बार चर्चा का केंद्र होंगे।

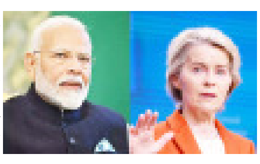

दोनों पक्षों का मकसद इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना है, ताकि वैश्विक व्यापार में नई मिसाल कायम हो सके। यह समझौता न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों के बीच रणनीतिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा।

इसके साथ ही, भारत और ईयू 2026 की पहली तिमाही में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं। इस सम्मेलन में कई अहम फैसले और घोषणाएं होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच नई दिल्ली और ब्रसेल्स में कई मुलाकातें तय हैं, जो इस समझौते को और मजबूती देंगी। खास तौर पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई उथल-पुथल ने इस समझौते को और अहम बना दिया है। 13वीं और 14वीं दौर की बातचीत में तकनीकी रुकावटें, सैनिटरी और फ़ाइटोसैनिटरी मसले, बाज़ार में पहुँच, मूल नियम, और सरकारी ख़रीद जैसे अहम मुद्दों पर ज़ोर होगा। अब तक 23 में से 11 अध्यायों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार, और धोखाधड़ी-रोधी उपाय शामिल हैं। पूंजी आवाजाही पर एक और अध्याय जल्द पूरा होने वाला है। दोनों पक्ष जुलाई में आदान-प्रदान किए गए सेवाओं और निवेश के प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं, ताकि सही संतुलन बनाया जा सके। भारत ने चावल, चीनी, और डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को समझौते से बाहर रखा है, जबकि ईयू ऑटोमोबाइल और स्पिरिट्स के लिए बाज़ार में पहुंच चाहता है। इसके अलावा, अमेरिका की ओर से झींगा जैसे समुद्री उत्पादों पर टैरिफ दोगुना करने के बाद, ईयू भारत के एक्वाकल्चर निर्यात को बढ़ावा देने पर विचार कर रहा है। पिछले साल भारत ने अमेरिका को 2.8 अरब डॉलर के झींगे निर्यात किए थे। भारत और ईयू के बीच सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोग भी गहरा हो रहा है। 17 सितंबर को ईयू की विदेश और सुरक्षा नीति प्रमुख काजा कैलास भारत के साथ नई रणनीतिक योजना पेश करेंगी।

देशभर में वोटर वेरिफिकेशन की तैयारी, चर्चा के लिए बैठक बुलाई

दिल्ली में दस सितंबर को जुटेंगे राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी

नई दिल्ली ,08 सितंबर (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) की 10 सितंबर को दिल्ली में बैठक बुलाई है, जिसमें पूरे देश में राज्यों की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने की तैयारी के बारे में विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। चुनाव आयोग सूत्रों ने कहा कि आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ हर तीन महीने में बैठक करने का एक सिलसिला शुरू किया है। इसी तरह की एक बैठक दिल्ली में 10 सितंबर को बुलाई गई है।

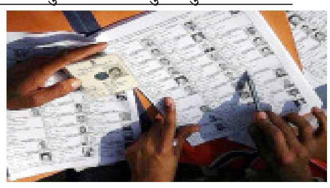

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में आयोग राज्यों के सीईओ के साथ प्रशासनिक और बजट संबंधी विषयों पर चर्चा करने के साथ-साथ ही देशभर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पर चर्चा कर सकता है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद संभालने के बाद सीईओ के साथ इस तरह की नियमित बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ है। उनके फरवरी में पद संभालने के बाद यह तीसरी बैठक होगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद वोटर लिस्ट जांच की प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाएगी। साल के आखिरी में इसकी शुरुआत हो जाएगी, ताकि 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट किया जा सके।

आवारा कुत्तों ने 2 साल की बच्ची पर किया हमला, सिर में आई गंभीर चोट, हालत नाजुक

रायपुर,08 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में एक बार फिर आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिला है. बीरगांव के गाजी नगर वार्ड क्रमांक 29 में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई, जहां आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने दो साल की मासूम अनाया पर हमला कर दिया. बच्ची घर के बाहर गली में खेल रही थी, तभी कुत्तों ने उसे घेर लिया और सिर, गाल और हाथों पर गंभीर रूप से काट लिया. बच्ची के सिर से दो जगह मांस का हिस्सा निकल गया है. घटना के बाद आसपास के लोगों ने बच्ची को बचाया और उसे तुरंत डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है.

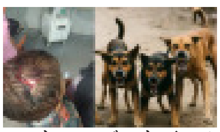

डॉक्टरों की टीम घायल बच्ची के इलाज में जुटी है, और सिर की दो जगह सर्जरी की तैयारी चल रही है. बच्ची के पिता गुलाम मुस्तफा, जो ऑटो चालक हैं, और उनका परिवार सदमे में है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बीरगांव में आवारा कुत्तों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि रात में अकेले निकलना मुश्किल हो गया है. कुत्ते सड़कों पर लोगों को दौड़ाते और घेर लेते हैं. बीरगांव में रोजाना 10 से 15 लोग कुत्तों के हमले का शिकार बन रहे हैं. निगम के पास कुत्तों को पकड़ने या उनकी नसबंदी की कोई व्यवस्था नहीं है. साथ ही, सरकारी अस्पतालों में कुत्तों के काटने के बाद लगाए जाने वाले इंजेक्शन की कमी के कारण लोगों को भारी परेशानी हो रही है.

पचपेड़ी में मतांतरण का प्रयास, 2 पास्टर समेत 3 के खिलाफ एफआईआर

बिलासपुर,08 सितंबर (एजेंसी)। बिलासपुर के पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम सुकुलकारी में रविवार को माथांतरण के प्रयास का बड़ा मामला सामने आया। यहां दो अलग-अलग स्थानों पर ग्रामीणों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा था। इस सूचना पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता सक्रिय हुए और पुलिस की मदद से इस प्रयास को रोक दिया गया। मामले में पुलिस ने दो पास्टर समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

हिंदूवादी संगठनों को जानकारी मिली थी कि गांव में कुछ लोग सभा कर ग्रामीणों को लालच और प्रलोभन देकर मतांतरण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सूचना पर जिले के संयोजक गौरव, सह संयोजक बाबा शर्मा और अन्य कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि सभा स्थल पर करीब 100 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें महिलाएं, युवतियां और पुरुष शामिल थे।

ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को खबर दी। पचपेड़ी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मंजिश सिंह (38) की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी पास्टर ईश्वर महिलांग, विनोद महिलांग और दीपांशु बंजारे के खिलाफ मामला दर्ज किया।

आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा लोगों को मतांतरण के लिए बहकाया जा रहा था। इस दौरान सभा में शामिल लोगों को विभिन्न प्रलोभन भी दिए जाने की बात सामने आई है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ समय ये मतांतरण एक बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। हाल हीं दुर्ग रेलवे स्टेशन से मतांतरण और मानव तस्करी के शक में 2 ननों की गिरफ्तारी हुई थी, जो कि राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक मुद्दा बन गया था। प्रदेश में आए दिन ऐसे मतांतरण करवाने और मतांतरण की कोशिश के मामले सामने आते रहते हैं। वहीं राज्य सरकार की ओर से भी जबरन मतांतरण करवाने को लेकर कड़ा कानून लाने की बात कही जा रही है, हालां कि अब तक इस दिशा में कोई ठोष कदम नहीं उठाया गया है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संस्कृत, हमें इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा –मुख्यमंत्री

संस्कृत हमारी विरासत का आधार, इसे संरक्षित करना सबकी जिम्मेदारी

रायपुर,8 सिंतबर(एजेंसी)। भारतीय संस्कृति की आत्मा संस्कृत में निहित है, जो हमें विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संस्कृत भाषा व्याकरण, दर्शन और विज्ञान की नींव है, जो तार्किक चिंतन को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और उपयोगी है। संस्कृत भाषा और साहित्य हमारी विरासत का आधार हैं, जिन्हें हमें संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देववाणी संस्कृत पर चर्चा के साथ यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का एक महान प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ और सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में संस्कृत भाषा को शामिल करने से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास सुनिश्चित होगा। संस्कृत में वेद, उपनिषद और पुराण जैसे ग्रंथों का विशाल भंडार है, जो दर्शन, विज्ञान और जीवन-मूल्यों का संदेश देते हैं। वेदों में वर्णित आयुर्वेद, गणित और ज्योतिष आज भी प्रासंगिक हैं और शोध का विषय हो सकते हैं। इन ग्रंथों में कर्म, ज्ञान और भक्ति के सिद्धांत स्पष्ट रूप से प्रतिपादित हैं, जो आधुनिक जीवन में शांति और संतुलन ला सकते हैं।ऐसे में संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक और उपयोगी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वेदों और उपनिषदों के ज्ञान को अपनाकर हम अपनी विरासत को संजोने के साथ-साथ अपने जीवन को भी समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं को संस्कृत साहित्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करना होगा, ताकि वे इस ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकें।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तकनीक के माध्यम से संस्कृत शिक्षा को आकर्षक और प्रासंगिक बनाया जा सकता है। राज्य में संस्कृत विद्वानों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें संस्कृत विद्या के प्रचार-प्रसार और अगली पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने सरयूपारीण ब्राह्मण सभा, छत्तीसगढ़ के प्रचार पत्रक का विमोचन भी किया। विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन का आयोजन संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ एवं सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संस्कृत भारती के प्रांताध्यक्ष डॉ. दादू भाई त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं, जिनसे सिद्ध होता है कि एक समय संस्कृत जनभाषा के रूप में प्रचलित थी। छत्तीसगढ़ी भाषा का संस्कृत से सीधा संबंध है। छत्तीसगढ़ी में पाणिनि व्याकरण की कई धातुओं का सीधा प्रयोग होता है। उन्होंने यह भी बताया कि सरगुजा क्षेत्र में सर्वाधिक आदिवासी विद्यार्थी संस्कृत की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इनमें गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्लेषा शुक्ला, उत्कृष्ट तैराक अनन्त द्विवेदी तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला शामिल थे। सम्मेलन को दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला और अखिल भारतीय संस्कृत भारती शिक्षण प्रमुख डॉ. श्रीराम महादेव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. सतेंद्र सिंह सेंगर, अजय तिवारी, बद्रीप्रसाद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संस्कृत शिक्षकगण, सामाजिक प्रतिनिधि और गणमान्यजन उपस्थित थे।

हत्या से सनसनी, मामूली विवाद में चली गई जान

रायपुर,8 सिंतबर (एजेंसी)। दुर्ग शहर में एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई है। यह घटना कलेक्टर ऑफिस के ठीक पीछे स्थित मुंबई वेज चाऊमीन सेंटर की है, जहां मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एक व्यक्ति की जान चली गई।

जानकारी के अनुसार, बैजनाथ पारा वार्ड नंबर 39 निवासी शंभू सागर की उसके ही जान-पहचान के आरोपी भूपेंद्र सागर से कहासुनी हो गई। मृतक शंभू ने भूपेंद्र को गाली देने से रोका, जिससे गुस्साए भूपेंद्र ने सिलेंडर की टंकी उठाकर शंभू के सिर पर वार कर दिया। हमला इतना जबरदस्त था कि शंभू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपी भूपेंद्र सागर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है और उसकी हरकतों से मोहल्ले वाले पहले से परेशान थे। फिलहाल फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर मौजूद है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह घटना दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का जागरूकता कार्यक्रम

स्कूली बच्चों ने समझा संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली का महत्व

रायपुर,8सिंतबर (एजेंसी)। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1 से 7 सितंबर) के अवसर पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने 7 सितंबर को सुधा ओपन स्कूल, अमासेओनी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया और संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा।

कार्यक्रम में फाउंडेशन के चेयरमैन जीके भटनागर, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता चौधरी, स्वयंसेवक श्रीमती रीमा आचार्य, शिक्षिका श्रीमती भारती और मिस खुशी यादव उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को पोषण की आवश्यकता और कुपोषण से बचाव पर विस्तार से जानकारी दी।

सत्र के दौरान बच्चों को अंकुरित मूंग, बिस्किट, गुड़, चना और केला जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। यह व्यवस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा सुनीता चौधरी, प्राची अग्रवाल और मौसम अग्रवाल के सहयोग से की गई। बच्चों ने इनका आनंद लिया और स्वस्थ भोजन अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों को खासतौर पर फास्ट फूड से परहेज करने और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में पोषण और स्वस्थ जीवनशैली की अहमियत को उजागर करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और मजबूत बन सके।

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए कृषि मंत्री नेताम

रायपुर,8 सिंतबर (एजेंसी)। रजत जयंती वर्ष एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर बलरामपुर मुख्यालय के बाजारपारा स्थित ऑडिटोरियम भवन में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उपस्थित शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर मंत्री श्री नेताम ने उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने सरस्वती मां छत्तीसगढ़ महतारी एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव ,अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर उपस्थित थी।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 5 सितम्बर का दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति और प्रख्यात शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में विशेष महत्व रखता है। डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और विचारों ने शिक्षा को नई दिशा दी है। उनकी इच्छा के अनुरूप ही उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि हमारे जीवन में गुरुजनों का स्थान सर्वोपरि है। जिस प्रकार कुम्हार मिट्टी को तराशकर सुंदर घड़ा बनाता है उसी प्रकार शिक्षक भी अपने विद्यार्थियों को ज्ञान और संस्कारों से गढ़कर जीवन, समाज और देश निर्माण की दिशा में योगदान देते हैं।

'ज्ञानदीप पुरस्कार अंतर्गत 3 एवं शिक्षादूत पुरस्कार से 18 शिक्षक हुए सम्मानित'

कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री नेताम ने शिक्षक सम्मान समारोह में ज्ञानदीप पुरस्कार 2025-26 के लिए 03 शिक्षक एवं शिक्षादूत पुरस्कार 2025-26 के लिए 18 शिक्षकों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी में सम्मानित किया गया। जिसके अंतर्गत विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत माध्यमिक शाला महुआरीपारा के शिक्षिका श्रीमती शैलजा तिवारी को प्रथम, विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत माध्यमिक शाला सोनहरा के प्रधानपाठक केदारनाथधर दुबे को द्वितीय, विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत माध्यमिक शाला अलखडीहा के प्रधान पाठक श्रीमती अपोलिना लकड़ा को तृतीय श्रेणी में सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार शिक्षादूत पुरस्कार 2025-26 के लिए विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला तेवरदहा के सहायक शिक्षिका श्रीमती प्रिया गुप्ता को प्रथम, प्राथमिक शाला लोधा के प्रधान पाठक श्री सुन्दर राम को द्वितीय, प्राथमिक शाला कंचन नगर के सहायक शिक्षिका श्रीमती माला तिवारी को तृतीय, विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत प्राथमिका शाला हरिगवां प्रधान पाठक संजय कुमार पाण्डेय को प्रथम, प्राथमिक शाला बगईनार के प्रधान पाठक श्याम सुन्दर सेन को द्वितीय, प्राथमिक शाला गढ़ईपारा के सहायक शिक्षक श्री जयराम सिंह नेताम को तृतीय, विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला खड़ियापारा के सहायक शिक्षक रामप्रसाद राकेश को प्रथम, प्राथमिक शाला बाजारपारा के सहायक शिक्षिका श्रीमती सोनिया गुप्ता को द्वितीय, प्राथमिक शाला जामटांड़ के सहायक शिक्षिका श्रीमती सुचिष्मिता सिंह को तृतीय, विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला सिधमा के सहायक शिक्षिका श्रीमती अश्विनी यादव को प्रथम, प्राथमिक शाला किरीकक्षार के प्रधान पाठक श्री दिलीप किशोर एक्का को द्वितीय, प्राथमिक शाला पटेलपारा के प्रधान पाठक श्रीमती मेरी प्रभा टोप्पो को तृतीय, विकासखण्ड कुसमी अंतर्गत प्राथमिक शाला कटईडीह के प्रधान पाठक श्री महादेव नगेसिया को प्रथम, नवीन प्राथमिक शाला कुम्हारपारा के प्रधान पाठक श्रीमती निशा पाण्डेय को द्वितीय, प्रथमिक शाला तावरपानी के सहायक शिक्षक सुरेन्द्र कुमार माझी को तृतीय तथा विकासखण्ड शंकरगढ़ अंतर्गत पहाड़ी कोरवा आश्रम शाला बेलकोना के सहायक शिक्षिका श्रीमती वंदना सोनी को प्रथम, प्राथमिक शाला रेहड़ा के सहायक शिक्षिका श्रीमती सुनीता बाई को द्वितीय, प्राथमिक शाला जमड़ी सहायक अध्यापिका श्रीमती सीमा कश्यप को तृतीय श्रेणी में सम्मानित किया गया।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा, नए क्लाइंट भी आपसे जुड़ेंगे भविष्य में जो आपके लिए फायेदेमंद साबित होंगे। भूमि तथा वाहन से संबंधित व्यवसायिक गतिविधियों में सुधार आएगा। आज नौकरी में लक्ष्य व टारगेट को पूरा करने का दबाव आपके ऊपर बना रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप रोजगार के मामलों में कुछ बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में फायदा देंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा और आप दोनों को बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज अनुभवी तथा जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन आपको और अधिक मजबूत बनाएगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले घर के बड़ों से जानकारी अवश्य ले ङ्क लें, इससे आपको अपने कामों को उचित तरीके से करने में सहायता मिलेगी। आज किसी करीबी के साथ चल रही अनबन में सुधार होगा, जिससे आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे।

शुभ रंग- लाल

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीके से करने पर उसके आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। आज आप किसी फैमली फंक्शन में जायेंगे, जहां करीबियों से मुलाकात होगी। आज आप किसी समस्या को नए दृष्टिकोण के साथ हल करेंगे, तो आपको अवश्य उसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहने वाला है। आज आप अपने ऑफिस में सहकर्मियों का साथ देंगे और उनका मनोबल भी बढ़ाएंगे, जिससे काम की गुणवत्ता बेहतर होगी। आज राजनीतिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता और वर्चस्व बढ़ेगा साथ ही आप अपनी फिटनेस पर भी समय देंगे। आज लम्बे समय बाद किसी दोस्त से मिलने का मौका मिलेगा, जिससे मिलकर आपको खुशी होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यो में अपना योगदान देंगे, आपकी मेहनत और लगन देखकर संस्था आपको सम्मानित भी करेगी। इस राशि के सरकारी कार्यों में कार्यरत व्यक्तियों को आज ट्रान्सफर से जुड़ी सूचना प्राप्त हो सकती है।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको कारोबार में दोगना धन लाभ होगा, जिससे आप उसे और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी ज्यादा मेहनत करने की जरुरत है, जिससे वे अपने सपनों को जल्द ही पूरा कर सकें।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको नौकरी के लिए किसी बड़ी कम्पनी से ऑफर लेटर मिलने की सम्भावना हैं। आज आपको पारिवारिक उलझनों से राहत मिलेगी और आपसी रिश्तों में मधुरता आएगी। आज बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद व स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी अपने के माध्यम से धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगें , आप ज्यादा सोच -विचार करने में समय न गवाएं। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जायेंगे और बच्चों के लिए भी कुछ गिफ्ट लेकर आयेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए मिला ङ्क जुला रहने वाला है। आज आप कार्यों को अपने तरीके से करने की कोशिश करें और अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर विश्वास रखें। आज आपकी किसी योजना को साकार रूप मिलने वाला है। इसलिए अपने प्रयासों में कमी ना आने दे।

कुम्भ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी के साथ मिलकर नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में आपको बढ़िया लाभ होगा। आज आपके ऑफिस का माहौल ठीक रहेगा, इसलिए आज अधिकतर काम समय से पूरे हो जायेंगे। आज जरूरत पड़ने पर किसी अनुभवी से सलाह लेना भी आपके लिए उचित रहेगा।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिलने के योग हैं। आज आपकी व्यावसायिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी, साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे उसके जीवन में सकारत्मक परिवर्तन आएगा। आज आप किसी काम में अपने बड़े भाई से मदद ले सकते हैं, उनका अनुभव आपके काम आएगा।

सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनि से की क्षमायाचना

रायपुर,8 सिंतबर(एजेंसी)। जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में श्वेतांबर दिगम्बर परम्परा के पर्युषण पर्व पश्चात सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनि से मन वचन काया से क्षमायाचना की व सभी जीवों को क्षमा प्रदान की। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि चारों दादागुरुदेव ने जिनमार्ग में क्षमा को श्रेष्ठ धर्म बताया है। क्षमा मांगना व क्षमा प्रदान करना वीरों का कार्य है और महावीर स्वामी के अनुयायी ही यह कार्य करते हैं।

जैन दादाबाड़ी में सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में दादागुरुदेव का जयकारा लगाते हुए बड़ी पूजा का आगाज स्थापना के मंत्रों के साथ किया स्थापना नारियल चावल एवं द्रव्य के समर्पण मंत्र के साथ की गई। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि स्थापना के पश्चात ,बड़ी पूजा का प्रारंभ संगीतमय चोपाई दोहों के साथ सुप्रसिद्ध भजन गायिका मंजू कोठारी ने किया। इसी प्रकार बड़ी पुजा के आठ विधान क्रमश सुप्रसिद्ध गायक वर्धमान चोपड़ा निर्मल पारख , श्रीमती पूनम चोपड़ा द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियो एवम भजनों से लगातार 4 घंटे तक मंदिर व दादाबाड़ी प्रांगण में भक्ति रस की गंगा प्रवाहित होती रही।

इस प्रकार अष्ठ प्रकारी पूजा क्रमश, जल,चंदन,पुष्प, धूप, दीप , चावल, नेवेध्य, फल, का दादा गुरुदेव की मूर्ति के सम्मुख समर्पण लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया ,तत्पश्चात , वस्त्र पूजा एवम अंतिम विधान ध्वजपूजन में महिलाओं द्वारा सिर में चांदी की 11 ध्वजा को रखकर कलात्मक मार्बल की छतरी की तीन फेरी देकर शिखर पर ध्वजा विराजमान की गई पूजा का समापन आरती एवम मंगल दीपक के साथ संपन्न हुआ ।

अवैध शराब विक्रय करते आरोपी महिला को कोनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिलासपुर,8 सिंतबर (एजेंसी)। आरोपीया के कब्जे से 7 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब कीमती 700 रू. किया गया जप्त। आरोपीया को गिरफ्तार कर न्यायालय किया गया पेश। श्रीमती केसर लोनिया पति स्वर्गीय सावन लोनिया उम्र 32 साल निवासी स्टेशन पारा घुटकू थाना कोनी जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने हेतु अधिक से अधिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। दिनांक 07/09/25 को सूचना पर ग्राम स्टेशन पारा घुटकू पहुंच कर श्रीमति केशर लोनिया के घर रेड कार्यवाही किया। जिसके घर आंगन की तलाशी लेने पर घर के आंगन बाडी में एक सफेद रंग प्लास्टिक झोला में एक पांच लीटर जेरीकेन हरा रंग की डिब्बा में 05 लीटर देशी हाथ भटठी का कच्ची महुंआ शराब, एक पांच लीटर जेरीकेन डिब्बा में हल्का पीला रंग की प्लास्टिक डिब्बा में 02 लीटर देशी हाथ भटठी का कच्ची महुआ शराब जिसमें दोनो डिब्बा में सफेद काला पन्नी हरा ढक्कन लगा हुआ कुल महुआ शराब करीब 7 लीटर कच्ची महुआ शराब मिला। जिसे मौके से 7 लीटर कि. 700 रु कच्ची महुआ शराब जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपिया का कृत्य धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

जेसीआई वीक में विविध कार्यक्रमों का किया जाएगा आयोजन

फ्लैग होस्टिंग के साथ आगाज और संगीतमय होगा समापन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जेसीआई वीक 2025 का आयोजन पूरे विश्व में 9 से 15 सितम्बर तक उत्साह और गर्व के साथ किया जाएगा। इसी तारतम्य में जेसीआई कोरबा सेंट्रल द्वारा इस विशेष सप्ताह में विभिन्न सामुदायिक सेवा, सामाजिक जागरूकता, व्यक्तिगत विकास, व्यवसायिक नेटवर्किंग तथा नेतृत्व क्षमता निर्माण जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक सकारात्मक परिवर्तन का संदेश भी पहुँचता है।

उक्त बातें प्रेस क्लब तिलक भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान अभिषेक अग्रवाल अध्यक्ष जेसीआई, इंजीनियर राज अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष, सीए अंकित अग्रवाल सचिव ने कही।

उन्होंने बताया कि 9 सितंबर को जेसीआई फ्लैग होस्टिंग एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ जेसीआई वीक भव्य शुरुआत की जाएगी। इस अवसर पर संगठन के उद्देश्यों, आगामी सप्ताहभर चलने वाले विविध सामाजिक व विकासात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। 10 सितंबर को प्रशिक्षण दिवस लाइफ स्किल, फाइनैन्शल इडीपेन्डेन्स एवं स्किल बेस्ड वर्कशॉप किया जाएगा। 11 सितम्बर को स्पोर्ट्स एवं वेलनेस डे के तहत कार्यक्रम होंगे। 12 सितम्बर को बिजनेस फोकस के तहत सदस्यों के प्रतिष्ठानों में एक बिजनेस बोर्ड लगाया जाएगा, जिसमें उनके व्यवसाय से संबंधित जानकारी प्रदर्शित होगी। 13 सितम्बर को ह्यूमन ड्यूटीज एंड पिटीशन डे मनाया जाएगा। आम जनता, स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों के बीच ह्यूमन ड्यूटीज़ पेटिशन पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। 14 सितम्बर को यूथ इन्विटेशन ड्राइव में

जेसीआई इंडिया द्वारा देशभर में अब तक की सबसे बड़ी युवा आमंत्रण मुहिम चलाई जाएगी। इसी कड़ी में जेसीआई कोरबा सेंट्रल अपने मित्रों, परिवारजनों और सहकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से एक पत्र देकर आमंत्रित करेगा, जिसमें जेसीआई के बारे में विस्तृत जानकारी होगी। अंतिम दिवस 15 सितम्बर को ग्रेटेड एंड सेलिब्रेशन डे के साथ वीक का समापन होगा। यह ड्राइव आने वाले कल के लिए बेहतर नागरिक और सशक्त नेतृत्व तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। पूरे सप्ताह की सफलता का भव्य ग्रैंड सेलिब्रेशन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें अवॉर्ड नाइट, सम्मान समारोह, संगीत, नृत्य का आयोजन किया जाएगा।

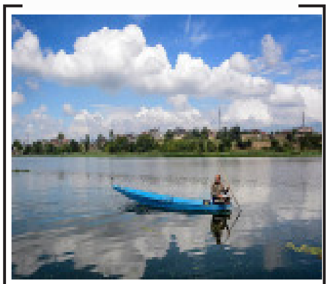

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

श्रीनगर में मानसून के मौसम के दौरान पोखरीबल झील में अपनी नाव पर एक नाविक।

नई दिल्ली में लोहा पुल (पुराने लोहे के पुल) के पास लगातार भारी बारिश के बाद यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है और यह खतरे के निशान को पार कर गया है, जिसके कारण लोग एक गाड़ी को धकेलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

लॉस एंजेलिस में नेशनल गार्ड का इस्तेमाल अवैध कोर्ट बोला- ट्रंप प्रशासन ने कानून तोड़ा

सैन फ्रांसिस्को ,08 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक और फैसले को कोर्ट की तरफ से अवैध करार दिया गया है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से लॉस एंजेलिस में आव्रजन विरोध प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती को कानून का उल्लंघन करार दिया है।

अमेरिका की एक संघीय अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में आव्रजन विरोध प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती करके संघीय कानून का उल्लंघन किया। यह फैसला संघीय जज चार्ल्स ब्रेयर ने सुनाया। जज ने माना कि ट्रंप प्रशासन ने नेशनल गार्ड को भेजकर वह कानून तोड़ा है, जो सेना को घरेलू कानून लागू करने से रोकता है। हालांकि, अदालत ने पहले से मौजूद सैनिकों को तुरंत वापस बुलाने का आदेश नहीं दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने आदेश को शुक्रवार से लागू करने का फैसला किया है।

कैलिफोर्निया सरकार की चुनौतीकैलिफोर्निया राज्य ने अदालत में दलील दी थी कि लॉस एंजेलिस में तैनात किए गए सैनिक %पॉसी कोमिटेटस एक्ट% का उल्लंघन कर रहे हैं। इस कानून के तहत सेना को देश के अंदर नागरिक कानून लागू करने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। राज्य का कहना था कि ट्रंप ने डेमोक्रेट गवर्नर गैविन न्यूजम और स्थानीय नेताओं की आपत्ति के बावजूद गार्ड को संघीय सेवा में ले लिया और लॉस एंजेलिस भेजा।ट्रंप प्रशासन ने फैसले का किया बचावट्रंप प्रशासन के वकीलों ने तर्क दिया कि यह कानून लागू नहीं होता, क्योंकि सैनिक सीधे कानून लागू करने नहीं बल्कि संघीय अधिकारियों की सुरक्षा के लिए तैनात किए गए थे। उनका कहना था कि राष्ट्रपति को संविधान और विशेष कानूनी अधिकार प्राप्त हैं, जिनके तहत वह गार्ड को बुला सकते हैं। ट्रंप ने दलील दी थी कि उन्हें यह अधिकार उस स्थिति में है जब देश पर हमला हो, विद्रोह या विद्रोह का खतरा हो, या जब राष्ट्रपति %अमेरिकी कानूनों को लागू करने में असमर्थ हों।%

ट्रंप की रणनीति पर उठ रहे सवालयह फैसला उस समय आया है जब ट्रंप डेमोक्रेटिक-शासित शहरों जैसे शिकागो, बाल्टीमोर और न्यूयॉर्क में भी नेशनल गार्ड भेजने की बात कर चुके हैं। वह पहले ही वॉशिंगटन डीसी में गार्ड की तैनाती कर चुके हैं, जहां उन्हें सीधे कानूनी नियंत्रण हासिल है। ट्रंप ने अपनी राष्ट्रपति कार्यकाल में अमेरिकी धरती पर सैन्य गतिविधियों की सीमाएं कई बार आगे बढ़ाई, जैसे कि अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर सैन्यीकृत क्षेत्र बनाना।गवर्नर न्यूजम की प्रतिक्रियाकैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम ने अदालत के फैसले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा %डोनाल्ड ट्रंप फिर हार गए। अदालतों ने माना कि हमारी सड़कों का सैन्यीकरण और अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ सेना का इस्तेमाल अवैध है।% हालांकि व्हाइट हाउस ने इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।अमेरिका की एक संघीय अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में आव्रजन विरोध प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती करके संघीय कानून का उल्लंघन किया। यह फैसला संघीय जज चार्ल्स ब्रेयर ने सुनाया। जज ने माना कि ट्रंप प्रशासन ने नेशनल गार्ड को भेजकर वह कानून तोड़ा है, जो सेना को घरेलू कानून लागू करने से रोकता है। हालांकि, अदालत ने पहले से मौजूद सैनिकों को तुरंत वापस बुलाने का आदेश नहीं दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने आदेश को शुक्रवार से लागू करने का फैसला किया है।कैलिफोर्निया सरकार की चुनौतीकैलिफोर्निया राज्य ने अदालत में दलील दी थी कि लॉस एंजेलिस में तैनात किए गए सैनिक %पॉसी कोमिटेटस एक्ट% का उल्लंघन कर रहे हैं। इस कानून के तहत सेना को देश के अंदर नागरिक कानून लागू करने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

इस्त्राइली हमले के बाद यमन में हूती-विद्रोहियों ने की यूएन के दफ्तरों में छापेमारी, हिरासत में लिए 19 कर्मी

संयुक्त राष्ट्र ,08 सितंबर (एजेंसी)। यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तरों पर हूती विद्रोहियों की ओर से की गई छापेमारी में 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से ज्यादा है। यूएन ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को जानकारी दी कि हिरासत में लिए गए 19 लोगों में से 18 यमनी नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को तुरंत रिहा करने की अपील की। ये छापेमारी रविवार को एजेंसी के उन दफ्तरों पर की गई, जो खाने-पीने, स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़ी सेवाएं देती हैं। यह कार्रवाई इस्त्राइल के उस हवाई हमले के

बाद की गई, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या कर दी गई थी। शांति वार्ताओं की उम्मीदें तब खत्म हो गईं, जब सात अक्तूबर 2023 को हमास ने दक्षिण इस्त्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्त्राइल ने गाजा पर युद्ध छेड़ दिया। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने गाजा के फलस्तीनी के समर्थन में लाल सागर में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इसके जवाब में अमेरिका और इस्त्राइल ने यमन के हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। संयुक्त राष्ट्र, अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन और हूती-नियंत्रित इलाकों में काम कर रहे राजनयिकों पर यह ताजा कार्रवाई हूती विद्रोहियों पर दबाव की रणनीति मानी जा रही है। दुजारिक ने कहा बताया कि इससे पहले भी हूती विद्रोही 23 यूएन कर्मचारियों को हिरासत में ले चुके हैं, जिनमें से कुछ को 2021 से ही बंदी बनाकर रखा गया है। कर्मचारियों की गिरफ्तारी से यूएन की क्षमता प्रभावित संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हांस ग्रंडबर्ग ने हाल ही में ओमान की राजधानी मस्कट का दौरा किया, जहां उन्होंने हूती विद्रोहियों के प्रमुख वार्ताकार मोहम्मद अब्देलसालम और अन्य राजनयिकों से मुलाकात की। दुजारिक ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान उन्होंने यूएन कर्मचारियों की गिरफ्तारी और दफ्तरों में जबरन प्रवेश की निंदा की। उन्होंने चेतावनी दी कि हूती विद्रोहियों की यह कार्रवाई ।

यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देंगे 26 देश, बार्डर पर तैनात होगी फोर्स, पुतिन की चेतावनी, विदेशी सैनिक बर्दाश्त नहीं

पेरिस,08 सितंबर (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दावा किया है कि 26 देश युद्ध के बाद यूक्रेन को सुरक्षा देने के लिए तैयार हो गए हैं। इसमें जमीनी, नौसैनिक और एयरफोर्स के जवान शामिल होंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने इसे च्रीएश्योरेंस फोर्स' का नाम दिया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने यह ऐलान पेरिस में आयोजित च्कोएलिशन ऑफ द विलिंग' की बैठक के बाद किया है, जिसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की भी शामिल हुए थे। बैठक के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों और जेलेंस्की ने अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी बातचीत की। इस दौरान मैक्रों ने बताया कि इस योजना में अमरीका की भूमिका और योगदान, आने वाले दिनों में तय किए जाएंगे।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के यूक्रेन में सैनिकों की तैनाती की इस घोषणा के बाद रूस की तरफ से सख्त प्रतिक्रिया दी गई है। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने कहा है कि रूस किसी भी हालात में यूक्रेन में विदेशी सैनिकों की तैनाती को स्वीकार नहीं करेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और अन्य यूरोपीय नेताओं ने इससे पहले

जेलेंस्की के साथ अमरीकी दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की थी, ताकि युद्धविराम या शांति स्थापित होने के अगले दिन देश की सुरक्षा में दीर्घकालिक सैन्य समर्थन और सहायता तय की जा सके। वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा है कि यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने के लिए अमरीका का साथ जरूरी है।

पेरिस में हुई इस अहम बैठक में 35 देशों के नेताओं ने हिस्सा लिया था, जिनमें ज्यादातर यूरोपीय राष्ट्र थे। कई नेताओं ने वर्चुअली शामिल होकर यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी देने के फैसले को समर्थन दिया। यूरोपीय नेताओं ने साफ कहा कि अब रूस को युद्ध समाप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए। जर्मन सरकार ने संकेत दिए कि यदि मास्को युद्ध को और लंबा खींचता है, तो यूरोपीय संघ रूस पर नए और कड़े आर्थिक प्रतिबंध लागू कर सकता है। बैठक से पहले ही अमरीकी शांति वार्ता दूत स्टीव विटकॉफ भी यूरोपीय नेताओं और जेलेंस्की से मिले थे। इस दौरान दीर्घकालिक सैन्य सहायता और आर्थिक सहयोग को लेकर ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। यूक्रेन के साथ पिछले कई सालों से जारी युद्ध को रुकवाने के लिए अमरीका ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इसके बावजूद यूरोप ने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया है। इससे नाराज अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर के नेताओं के साथ बैठक में साफ-साफ कह दिया कि यूरोप को रूस से तेल खरीदना बंद करना चाहिए।

सम्पादकीय...

मंत्रियों विरुद्ध आपराधिक मामले

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण के अनुसार, देश के लगभग 47 फीसद मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह रपट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 फीसद के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 फीसद) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 (26) फीसद) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों (74 फीसदी) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 (30 फीसद) के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 (लगभग 87 फीसद) पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 (45 फीसद) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों (33 फीसद) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 8 (20 फीसद) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में 22 मंत्रियों (96 फीसद) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 (57 फीसद) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 (69 फीसद) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच (31) फीसद) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 (40 फीसद) ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओड़ीशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 फीसद से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नगालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है। एडीआर ने रपट में मंत्रियों की वित्तीय संपत्तियों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार, मंत्रियों की औसत संपत्ति 37.21 करोड़ रुपए है, जबकि सभी 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपए है। तीस विधानसभाओं में से 11 में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ अरबपति मंत्री हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश में छह और महाराष्ट्र में चार ऐसे मंत्री हैं। मंत्रियों के साथ अगर विधायकों और सांसदों विरुद्ध आपराधिक मामलों को जोड लें तो स्थिति और चिंताजनक दिखाई देगी। अब प्रश्न यह उठता है कि ऐसी कौन सी मजबूरी है कि मतदाता की प्राथमिकता ऐसे विधायक या सांसद बनते जा रहे हैं जिनके विरुद्ध आपराधिक मामले हैं। पहली मजबूरी तो ऐसे लोगों को राजनीतिक दल अपना टिकट देकर चुनाव मैदान में उतरते हैं, ऐसे उम्मीदवार को मत देना मतदाता की मजबूरी बन जाती है। रिपोर्ट अनुसार राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर के राजनीतिक दलों ने आपराधिक मामलों में फंसे व्यक्ति को टिकट दी है। अगर राजनीतिक दल आपराधिक मामलों में संलिप्त व्यक्ति को टिकट न दे तो शायद समस्या पर काबू पाया जा सकता है। राजनीतिक दलों का लक्ष्य तो चुनाव में जीत होता है। आपराधिक मामलों में संलिप्त अधिकतर लोग दबंग होते हैं और छोटे-मोटे झगड़े अपने स्तर पर हल कर देते हैं। इस कारण उनकी अपने क्षेत्र में पकड़ व पहचान बढ़ती जाती है। इसलिए वह राजनीतिक दलों की पसंद बन जाते हैं। स्थानीय लोग भी देश की धीमी गति की न्यायप्रक्रिया को देखते हुए दबंग लोगों के दरबार को प्राथमिकता देने लगते हैं। राजनीति का आपराधीकरण न हो, इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी रीति नीति पर गंभीर विचार कर समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

भारत चीन संबंधों का नया दौर का एक विश्लेषण

अजय दीक्षित

1962 की कड़वाहट को 63 वर्ष बाद भारत और चीन नए सिरे से लिखने की भूमिका बना रहे हैं। इसी सिलसिले में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज चीन पहुंचे हैं इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी हाल में चीन में थे । यह घटनाक्रम यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए जा रहे पचास फीसदी टैरिफ से शुरू हुआ है इसी दौर में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर खान को वाशिंगटन बुलाया गया था और उनके साथ ट्रंप ने डिनर कर यह संकेत दिया था कि पाकिस्तान उसके लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि भारत के साथ ट्रंप की नीति क्यों बदली इसको लेकर कई धारणाएं हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने डोनॉल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार देने की सहमति देने से इनकार कर दिया था जबकि व्हाइट हाउस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीन बार संपर्क किया गया था। पाकिस्तान ने इस बात को प्राथमिकता दी और सार्वजनिक रूप से सहमति दी। हालांकि कूटनीतिक क्षेत्र में यह बात समझ में नहीं आती है लेकिन और भी बहुत से कारण हैं।

दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स में जो आज रिपोर्ट प्रकाशित हुई है उसमें कहा गया है कि यूक्रेन रूस युद्ध समाप्त नहीं होने के पीछे भारत है जो रूस से लगातार सस्ती दरों के नाम पर क्रूड ऑयल,गैस खरीद रहा है और रूस को उसी धन से मदद कर रहा है। अमेरिकन पेंटागन अधिकारियों ने बकायदा पत्र लिख कर यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप को कहा है कि रूस यूक्रेन पर कब्जा कर ही दम लेगा। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी खपत का चालीस फीसदी क्रूड ऑयल रूस, से खरीद रहा है वह भी विश्व बाजार से 30 फीसदी तक सस्ता है और कारोबार रुपए में है। यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप कई बार युद्ध समाप्त करने का प्रयास कर चुके हैं लेकिन पुतिन नहीं मान रहे हैं। हालांकि चाइना भी ऐसा ही कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉनल्ड ट्रंप की नीति से निपटने के लिए अब चीन की ओर रुख किया है। भारत पहले से ही बहुत सी कच्चा मॉल चीन से खरीदता है। जिसमें दवाइयां का रो मटेरियल, शामिल है। रूसी विचारक, कहानीकार, कवि, टॉलस्टाय ने कहा था कि दो लोगों के संबंध हो सकते हैं लेकिन दो राष्ट्रों के संबंध बिल्कुल व्यवसायिक होते हैं।

चाइना पाकिस्तान या भारत अमेरिका के संबंध एक दूसरे के हितों पर आधारित होते हैं।

चाइना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले गलवान घाटी, अरुणाचल प्रदेश में सीमा विवाद जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहेंगे।1962 में जवाहर लाल नेहरू को चीन से धोखा मिला था। उनकी विदेश नीति मटियामेट हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फूंक फूंक कर कदम रखेंगे। व्यापार के मुद्दे पर भारत और चीन दोनों को आसानी होगी। पाकिस्तान भी एक मसला होगा क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान चाइना के हथियारों से लड़ा था।

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है। हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी 'डिजिटल इंडिया मिशन' और 'आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन' के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मज़ाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते

रोहित कौशिक

बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में भारी तबाही हुई है। एक तरफ नदियां उफान पर हैं, तो दूसरी तरफ पहाड़ टूट रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है।

मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी कई जगहों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार पहुंचने के कारण हालात खराब हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से भूस्खलन होने के कारण कई सड़कें बंद हैं। त्रिपुरा में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में भी यही हाल है।

भारी बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। विकास परियोजनाओं के लिए जिस तरह जंगलों को नष्ट किया गया, उससे स्थिति को और भयावह बना दिया है। इसके कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू-क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़-सूखा जमाने से जीवन को परेशानी में डालते रहे हैं। बाढ़-सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि क्या हम पढ़-लिख लेने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते हैं। विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े-लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठा कर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है।

बाढ़-सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूर्वानुमान नहीं लगा पाते। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह सूखे-बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़-सूखे जैसी आपदाओं की चेतावनी दी गई थी।

आज ग्लोबल वार्मिंग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी-बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी हम आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिंग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडंबना ही है कि हम इस मुद्दे पर बार-बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग-अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार-बार बाढ़-सूखे का ऐसा पूर्वानुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों की जान-माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके।

शहरों और कस्बों में होने वाले जल-भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न होने से उनकी पानी बहा कर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है। गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं।

ऐसी भौगोलिक असमानताएं हमें बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं। पानी का सवाल जैविक आवश्यकता से भी जुड़ा है। हमें यह सोचना होगा कि बाढ़ के पानी का सदुपयोग कैसे किया जाए। बाढ़ के संबंध में विशेषज्ञ चेतावनी देते रहते हैं कि भविष्य में बाढ़ की प्रवृत्ति और प्रकृति लगातार बदलती रहेगी। इसलिए हमें एक तरफ अपने आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय बनाना होगा तो दूसरी तरफ अपने पारंपरिक जल स्रोतों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि देश में बाढ़ से होने वाले नुकसान का लगभग साठ फीसद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, असम और आंध्र प्रदेश में बाढ़ के माध्यम से होता है। बाढ़ केवल हमारे देश में ही कहर नहीं ढा रही है, बल्कि चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देश भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि हमारे देश में सूखे-बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए अनेक घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन मात्र घोषणाओं के सहारे ही पीड़ितों का दर्द कम नहीं होता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इन घोषणाओं का लाभ वास्तव में पीड़ितों तक भी पहुंचे।

(यह लेखक के अपने विचार है)

अवैध प्रवासियों की घुसपैठ

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने को लेकर सरकार द्वारा अपनाई गई मानव संचालन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मांगी। केंद्र से पूछा क्या वह अवैध प्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर दीवार बनाना चाहता है।

पीठ ने बंगाली व पंजाबीभाषी भारतीयों की पड़ोसी मुल्कों के साथ साझा सांस्कृतिक व भाषाई विरासत की भी चर्चा की। पीठ ने स्वीकारा कि पीड़ित संसाधनों की कमी के अभाव में शीर्ष अदालत पहुंचने में असमर्थ हैं।

सरकार की तरफ से दी गई दलील में एजेंटों के अवैध प्रवेश करवाने की बात की गई और कहा गया कि वे हमारे संसाधनों को नष्ट न करें। इस पर अदालत ने कहा यह राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता व संसाधनों का सवाल है पर बंगाल व पंजाब की साझी विरासत पर केंद्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

बीते दिनों प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि केंद्र द्वारा बंगाली भाषाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। बहस के दरम्यान केंद्र की तरफ से रोहिंग्याओं का जिक्र भी हुआ जिनके साथ आतंकवादियों के घुसपैठ का भी संदेह जताया गया।

अवैध प्रवासियों के चोरी-छिपे पड़ोसी मुल्कों में प्रवेश को लेकर दुनिया भर की सरकारें त्रस्त हैं। देश भर के सत्रह राज्यों में घुसपैठियों के रहने की बात सरकार द्वारा स्वीकारी जाती है। पंजाबी या बंगाली बोलने वालों को भारतीयों के साथ घुलने-मिलने में दिक्कत भी नहीं आती।

जाहिर है, इनमें से कुछ रोजगार व सुरक्षा की तलाश में घुसते हैं। मगर अराजकता फैलाने व आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की मंशा से गलत तरीकों से सीमा पार करने वालों की भी कमी नहीं है।

बार-बार दोहराया जाता है कि अकेले दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में रहने की चर्चा होती रहती है जिनमें से तकरीबन आधे पश्चिम बंगाल में ही लुक-छिप कर रह रहे हैं।

हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती। केंद्र द्वारा बनाए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम पर विरोध के साथ ही राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के हवाले से बयानबाजियां करते रहे हैं।

बेशक, धरपकड़ अभियानों द्वारा मुट्ठी भर घुसपैठिये ही पकड़ में आते हैं। इन्हें रोकने के लिए न तो दीवारें उठाई जा सकती हैं, न ही अभी अवैध घुसपैठियों को एक ही लाठी से हांका जा सकता है, जो कंटीली बाड़ों और मुस्तैद सुरक्षा-व्यवस्था के बावजूद घुसपैठ करते हैं, वे दीवारें लांघने में क्यों घबराएंगे।

एचआईवी मरीजों की सुविधा रोकना, अमानवीय?

डॉ. रमेश ठाकुर

'दक्षिण अफ्रीका' ऐसा मुल्क है जहां 'एचआईवी' मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। मोटे तौर पर तकरीबन ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। दक्षिण अफ्रीका के सामने एचआईवी पर नियंत्रण के लिए मात्र जरिया 'मुफ्त अमेरिकी चिकित्सा सुविधा' मानी जाती रही है? जिसे पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बंद करके का ऐलान कर दिया गया। बंदी के निर्णय के कुछ घंटों बाद ही सुविधाएं भी रोक दी गईं। इससे निश्चित रूप से एचआईवी संक्रमितों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी होगी? होगी क्या, हो ही गई? सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के लिए अमेरिका की मुफ्त चिकित्सा सुविधा वर्षों से जारी थीं। सुविधा बंद करके अमेरिका ने अमानवीय चेहरे से परिचय कराकर दुनिया में थू-थू भी करा ली है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कोई ये बात समझाए कि इंसानी जीवन से बढ़कर कोई दौलत, कोई शोहरत नहीं होती? किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को मरीजों के जीवन से साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जीवन बचाने के लिए नफे-नुकसान की परवाह तो कतई नहीं करनी चाहिए।

चिकित्सा सहायता रुकने से एक साथ 2 लाख 22 हजार एड्स संक्रमितों के जीवन को नर्क में धकेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप के निर्णयों ने पूरी दुनिया में वैसे ही उथलपुथल मचाई हुई है। इस कड़ी में उन्होंने अफ्रीका के लाखों मरीजों का भी जीवन संकट में डाल दिया है। दक्षिण अफ्रीका सरकार भी हैरान है कि आखिर अमेरिका ने ऐसा अमानवीय कदम उठाया क्यों? ट्रंप के फैसले के बाद मरीज एचआईवी सुविधा केंद्रों पर दौड़े, लेकिन बिना दवाईयों के उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में एड्स पीड़ितों का अधिकृत आंकड़ा जितना है उससे कहीं ज्यादा अनाधिकृत है। मुफ्त सुविधाएं रूकने के बाद गुप्त मरीजों की संख्याओं को देखकर सरकार भी हैरत में है। मुफ्त सुविधाएं क्यों रोकी गईं? इस गणित को समझना भी जरूर है। दरअसल, एचआईवी दवाओं की लागत दवा के प्रकार, भौगोलिक स्थिति और दवा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के आधार पर भिन्न होती हैं। खरीद में एचआईवी की दवाईयां काफी महंगी पड़ती हैं। कीमतें विभिन्न देशों में अलग-अलग रहती हैं। जगहों के आधार पर दवाईयों में बदलाव भी होता है। भारत में, एचआईवी के लिए 'एंटीरेट्रवाइल थेरेपी' और 'एपरेट्यूड इनजेक्शन' के अलावा 'ग्लाइड' इस्तेमाल की जाती है जिसके प्रत्येक बॉक्स की कीमत 23 हजार और 15 हजार होती है। बाकी अन्य देश 'टेनोफोविर', 'लेमिवाडिन', 'डोल्यूटेग्राविर' भी प्रयोग करते हैं। इसके अलावा एचआईवी संक्रमित पर 'न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस इनहिबिटर प्रोटीएस भी उपयोग होते हैं। ये सभी दवाइयां निजी स्तर पर महंगी होती हैं। बिना सरकारी सहायता के कोई आसानी से नहीं खरीद सकता। ज्यादातर देश अपने मरीजों को सब्सिडी देकर कम दामों में मुहैया करवाते हैं। भारत में भी ये दवाईयां बिल्कुल फ्री नहीं हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अमेरिका ने यह फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका में मुफ्त दवाई वितरण में अमेरिका को सालाना करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा था। अमेरिका सालों से अफ्रीकी लोगों को एचआईवी ग्रस्तों को मुफ्त चिकित्सा मुहैया करवाता आया था। पर, अब उसे घाटे का सौदा दिखने लगा? इसलिए मरीजों की जान की परवाह किए बिना ये गैरजरूरी निर्णय ले लिया। जबकि, उसे पता है कि एचआईवी पीड़ितों की सर्वाधिक संख्या इस समय दक्षिण अफ्रीका में है। अमेरिका शायद ये कहना आया था कि अफ्रीकी लोग संसार के दूसरे देशों में पहुंचते हैं तो वहां भी संक्रमण फैलाते हैं। ऐसा न हो, उसके लिए वह अपने स्तर से वहां फैले एचआईवी को नितंत्रण करने के लिए पीड़ितों का इलाज करते थे। लेकिन, विगत सप्ताह अचानक नि:शुल्क चिकित्सा सहायता पर विराम लगा दिया। जबकि, इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि ऐसा करने से एचआईवी संक्रमितों के जीवन पर बात बन आई है। एड्स के डर से मर-मर कर अपना जीवन जीने वाले मरीज इस सदमे कैसे बर्दाश्त कर पाएंगे। अमेरिका की इस हरकत ने मानवीय पहलूओं का भी अनादर किया है। बंदी के निर्णय के बाद मरीज लगातार क्लीनिकों की ओर दौड़ रहे हैं, भगदड़ जैसी स्थिति बनी हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने निर्णय अचानक लिया, अफ्रीकी सरकार को सूचित भी नहीं किया। 16 क्लीनिकों में 12 क्लीनिक बंद कर दिए जिनमें 63,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। शेष बचे 4 क्लीनिकों में भी जीवनरक्षक दवाईयां पहुंचनी बंद हो गई हैं। इस बात का वैश्विक स्तर पर जमकर विरोध भी हो रहा है। अमेरिका पर पुनर्विचार की मांग उठ रही है। इतना तय है, अगर मदद जल्द बहाल नहीं हुई, तो न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका में लाखों एचआईवी पीड़ितों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि हजारों मौतें भी होनी आरंभ हो जाएंगी। 'गिलियड' एचआईवी पर नियंत्रण करने वाली प्रमुख दवाई मानी जाती है। गिलियड फार्मा कंपनी ने पिछले अक्टूबर-2024 में विश्व की 6 प्रमुख फार्मा कंपनियों के साथ समझौता किया था ताकि गरीब 120 देशों में ये दवा कम कीमत पर उपलब्ध हो। लेकिन कम कीमत के नाम पर ज्यादातर फार्मा कंपनियों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। बहरहाल, संक्रमितों के बचे-खुचे जीवन को बचाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा। रोकी गई सुविधाओं की भरपाई का विकल्प खोजना होगा। सुखद खबर ये है कि फिलहाल, अमेरिका ने कुछ आवश्यक जीवनरक्षक सेवाओं को सीमित स्तर पर शुरू करने का आश्वासन दिया है। लेकिन संकट फिर भी बरकरार है, टला नहीं? क्योंकि अमेरिकी हुकूमत पर फिलहाल विश्वास नहीं किया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने भारत जैसे अन्य देशों से भी मदद की गुहार लगाई है। पर, इस सच्चाई से सभी वाकिफ हैं कि एचआईवी निरोधक दवाइयों पर जो सफलता अमेरिका ने पाई है, वैसी किसी दूसरे देश ने नहीं? उनके पास इकाइयों का अच्छा बैकअप है। अफ्रीका को फ्री में शायद ही कोई देश दवाई देने पर राजी हो? इसलिए अफ्रीकी सरकार को अपने बजट में इजाफा कर एचआईवी पीड़ितों के लिए धन आवंटित करना चाहिए, ताकि विदेशों से दवाईयां खरीदी जा सकें। एचआईवी संक्रमण न फैले, इसके लिए जागरूकता अभियान भी छेड़े जाने की जरूरत है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सांस की नली में दूध फंसने से 6 महीने के बालक की मौत

हाथरस 8 सितम्बर (एजेंसी)। चंदपा के गांव बघना में एक छह माह के बालक की स्वांस नली में दूध जाने से मृत्यु हो गई। नवनीत शर्मा का बेटा मंगलवार की सुबह दूध पीने के बाद अपनी मां के साथ सो रहा था, जब मां ने थोड़ी देर बाद उठकर देखा तो बच्चे में कोई हरकत नहीं हुई ।स्वजन बच्चे को लेकर पास के चिकित्सक के पास गए, जहां से उसे अन्य चिकित्सक ले जाने की सलाह दी गई। इसके बाद स्वजन एक प्राइवेट हॉस्पिटल में बाल रोग विशेषज्ञ के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया ।जिला अस्पताल के बाल रोग डॉक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि बच्चे को लिटाकर दूध पिलाने से परहेज करना चाहिए ।दूध पिलाते समय बच्चे का सिर पैरों से ऊंचा रखें। दूध पिलाकर बच्चे को उठाकर कंधे से लगाकर पीठ पर थपकियां दें। यह भी सुनिश्चित जरूर करें कि बच्चा दूध पीकर डकार जरूर लें ।अगर बच्चे को सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें ।सांस लेते समय आवाज आने पर भी ध्यान रखें, बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाएं ।बाल रोग विशेषज्ञ के मुताबिक, दूध पिलाने के बाद बच्चे को हिलाया नहीं गया होगा, जिससे दूध बच्चे की स्वांस नली में फंस गया और बच्चे की मृत्यु हो गई। बच्चे की मृत्यु से परिवार में मातम छा गया। नवनीत शर्मा के परिवार में अब उनकी तीन साल की बेटी ही बची है।

देश में शिशु मृत्यु दर में 37 प्रतिशत की गिरावट, लेकिन जन्म दर भी गिरी

नईदिल्ली, 08 सितम्बर [एजेंसी]। देश में शिशु मृत्युदर (आईएमआर) और शिशु जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 2023 की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट के मुताबिक देश में शिशु मृत्यु दर न्यूनतम 25 पर आ गई है।2013 में 40 के मुकाबले इसमें 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं शिशु जन्म दर में पिछले 10 साल में 14 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। 2013 में ये दर 21.4 प्रतिशत थी, अभी ये 18.4 प्रतिशत है। आईएमआर एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेतक है, जिसे एक वर्ष से कम आयु के पैदा होनेवाले प्रति 1,000 शिशुओं पर होनेवाली मौतों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह संख्या जितनी कम होगी, स्वास्थ्य सेवा की पहुंच उतनी ही बेहतर मानी जाएगी। एसआरएस रिपोर्ट के मुताबिक 1971 में शिशु मृत्यु दर के मुकाबले 2023 में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बाल मृत्यु दर प्रति हजार पर 37 दर्ज की गई है। वहीं मणिपुर में ये आंकड़ा तीन का है। 21 राज्यों में केरल ही एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां शिशु मृत्यु दर इकाई में दर्ज की गई है। राज्य में

ये आंकड़ा 5 का है और मणिपुर के बाद ये दूसरे नंबर पर है ।रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में ये आईएमआर 44 से घटकर 28 पर आ गई है। वहीं शहरी इलाकों में 27 से घटकर 18 पर आंकी गई है। इस तरह 10 साल में इस दर में 36 प्रतिशत और 33 प्रतिशत की गिरावट क्रमशः दर्ज की गई है। शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख रिपोर्ट में शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख दर्ज किया गया है। ये दर जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। इसके तहत सालभर में प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित शिशुओं की संख्या बताई जाती है ।रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच दशकों में जन्म दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ये दर 1971 के 36.9 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में शिशु जन्म दर करीब-करीब बराबर हो गई है। पिछले 10 वर्ष में जन्म दर 21.4 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है ।रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दशक में जन्म दर में लगभग 14 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2013 में 21.4 से घटकर 2023 में 18.4 हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 11 प्रतिशत घटकर 22.9 से 20.3 हो गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 17.3 से घटकर 14.9 हो गई है, जो लगभग 14 प्रतिशत है। बिहार में 2023 में सबसे ज्यादा जन्म दर 25.8 दर्ज की गई, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 10.1 के साथ सबसे कम पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चंडीगढ़ में सबसे कम मृत्यु दर 4 और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 8.3 दर्ज की गई ।इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में शिशु जन्म दर करीब-करीब बराबर हो गई है। पिछले 10 वर्ष में जन्म दर 21.4 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है ।रिपोर्ट में कहा गया है ।

भूस्खलन से छह मकान ध्वस्त राहत कार्य में जुटी प्रशासन की टीम

बिलावर,08 सिंतबर (एजेंसी)। लगातार हो रही बारिश के कारण उपजिला में भारी तबाही मची है। नजोत पंचायत के वार्ड चार तरपड़ में भूस्खलन के चलते छह कच्चे मकान ध्वस्त हो गए हैं। इस आपदा में स्थानीय लोगों के घर और जमीनें भी प्रभावित हुई हैं ।बारिशों के कारण कच्चे मकानों को गंभीर नुकसान हुआ है। सीआरपीएफ की 121वीं बटालियन की सी कंपनी ने जम्मू कश्मीर पुलिस और प्रशासन के सहयोग से भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए बचाव और राहत कार्य शुरू किया ।20 लोगों को भूस्खलन से टूटे हुए मकानों से सुरक्षित निकालकर उनके रिश्तेदारों के घरों में शिफ्ट किया गया। लोहाई मल्हार तहसील के डुग्गेनी ब्लॉक की धनु परोल पंचायत के वार्ड चार में भी भूस्खलन हुआ, जिससे अशोक कुमार, पन्नू राम, नाथूराम और कुलदीप के मकान पूरी तरह से टूट गए ।मलवे के नीचे घरेलू सामान और खाद्य सामग्री बर्बाद हो गई है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी चार परिवारों के सदस्यों को परोल स्थित पंचायत घर में सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है ।एडीसी बिलावर विनय खोसला ने बताया कि सभी तहसीलों के तहसीलदारों को बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसानों का आकलन कर रिलीफ केस बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

जैसलमेर का खेतसिंह हत्या मामला, सांप्रदायिक तनाव के बीच पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव, भीड़ पर लाठी चार्ज

जैसलमेर, 08 सितम्बर [एजेंसी]। जैसलमेर जिले के डांगरी गांव में हुए खेत सिंह हत्याकांड के मामले ने तूल पकड़ लिया ,जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस छोड़नी पड़ी साथ ही लाठी चार्ज कर भीड़ होती तभी तक किया गया। भीड़ के द्वारा पथराव में कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने चौराहों पर केबिनों को आग लगाने के साथ वहां मौजूद वाहनों को भी आग हवाले कर दिया। पुलिस ने 26 प्रदर्शनकारियों को पकड़ा है। पूरा गांव में छावनी में तब्दील है ।पुलिस महानिरीक्षक जोधपुर रेंज खुद मौके पर मौजूद हैं। किसान खेत सिंह की मंगलवार रात हिरण शिकार रोके जाने को लेकर हत्या कर दी गई थी। जैसलमेर जिले के डांगरी गांव में मंगलवार रात हुए खेत सिंह हत्याकांड ने क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। शिकार विरोध को लेकर हुई इस हत्या ने गांव को सांप्रदायिक तनाव की आग में झोंक दिया है। घटना के बाद पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को डिटेन भी किया है। लेकिन घटना के विरोध में ग्रामीणों ने धरना दिया है और गांव में मस्जिद और आसपास बने घरों के अतिक्रमण हटाने की मांग की है ।इसको लेकर ग्रामीणों ने कुछ दुकानों को जला दिया और पत्थरबाजी भी की, जिसको कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और मौके पर मौजूद लोगों को खडेदने के लिए आंसू गैस भी छोड़ी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी अभिषेक शिवहरे और जिला कलेक्टर भी मौके पर मौजूद हैं। वहीं पुलिस महानिरीक्षक रेंज राजेश मीणा भी घटना स्थल पर पहुंचे हैं ।भीड़ के द्वारा पथराव में कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने चौराहों पर केबिनों को आग लगाने के साथ वहां मौजूद वाहनों को भी आग हवाले कर दिया। पुलिस ने 26 प्रदर्शनकारियों को पकड़ा है। पूरा गांव में छावनी में तब्दील है ।पुलिस महानिरीक्षक जोधपुर रेंज खुद मौके पर मौजूद हैं। किसान खेत सिंह की मंगलवार रात हिरण शिकार रोके जाने को लेकर हत्या कर दी गई थी।

कहा-भारत ने हमेशा यूक्रेन युद्ध खत्म करने का समर्थन किया

नई दिल्ली, 08 सितम्बर [एजेंसी] । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत, यूक्रेन युद्ध के जल्द खत्म होने का समर्थन करता है। उन्होंने यह बात अपने यूक्रेनी समकक्ष एंड्री सिबिहा के साथ फोन पर बातचीत के बाद कही। जबकि सिबिहा ने कहा कि हमें शांति प्रयासों में भारत की सक्रिय भूमिका पर भरोसा है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने फोन पर युद्ध समाप्त करने के मुद्दे पर चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग और यूक्रेन संघर्ष पर

चर्चा की। भारत इस संघर्ष के शीघ्र अंत और स्थायी शांति की स्थापना का समर्थन करता है ।जबकि सिबिहा ने बताया कि उन्होंने जयशंकर को युद्धक्षेत्र की मौजूदा स्थिति और यूक्रेन के न्यायपूर्ण शांति प्राप्त करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने और जयशंकर ने इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मिलने पर सहमति व्यक्त की। जयशंकर-सिबीहा की वार्ता से तीन दिन पहले चीन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात हुई थी। दोनों नेताओं ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर वार्ता की थी। प्रधानमंत्री ने पुतिन से कहा था कि भारत, यूक्रेन में शांति स्थापित करने की दिशा में सभी प्रयासों का स्वागत करता है।

अफगानिस्तान में फिर कांपी धरती, एक दिन में तीन भकूंपों के आने दहशत में लोग

काबुल,08 सितंबर(एजेंसी)। अफगानिस्तान में भूकंप के कारण पहले से काफी हालात खराब है। वहीं, गुरुवार-शुक्रवार की रात एक बार फिर भूकंप आया। इस कारण लोग अपने घरों से बाहर आ गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, गुरुवार देर रात अफगानिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। इस बीच,खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अफगानिस्तान के भूकंप प्रभावित कुनार और नांगरहार प्रांतों में आपातकालीन सहायता भेजी है, जहां 1,400 से अधिक लोग मारे गए हैं

उत्तराखंड में पैसों के खेल में रिश्तों का मजाक, नकली शादी कर बटोर रहे मोटी रकम

देहरादून, 08सितम्बर [एजेंसी]। भारतीय संस्कृति में शादी सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि सात जन्मों का बंधन मानी जाती है। अब इसी शादी की पवित्र परंपरा को खेल बनाकर मजाक उड़ाया जा रहा है। फिल्मों की तरह फर्जी शादियां करवाई जा रही हैं और इसमें आयोजक खूब पैसे बटोर रहे हैं। ऐसा ही एक आयोजन छह सितंबर को दून में होने जा रहा है। फर्जी शादी के नाम पर कार्ड बांटे जा चुके हैं। हालांकि, शादी के कार्ड बंटने के बाद विवाद पैदा हो गया है। हिंदू संगठन इसके विरोध में उतर गए हैं ।मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों की तरह देवभूमि में भी इस तरह की नकली शादी आयोजित होने लगी हैं। राजधानी के माल आफ देहरादून में बैंड-बाजा-बरात

थीम पर फर्जी शादी इवेंट कराया जा रहा है। इस इवेंट में डेकोरेशन से लेकर बरात जैसे रिवाज नकली तौर पर दिखाए जाने वाले हैं। इसके लिए बाकायदा 1001 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस रखी हुई है और मेहमान बनकर आने वाले युवक-युवतियों के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया है। उधर, माल ऑफ देहरादून के प्रवक्ता का कहना है कि त्योहारी सीजन आ रहा है। पारंपरिक परिधानों को प्रमोट करने के उद्देश्य से यह इवेंट आयोजित किया जा रहा था। विवाद की स्थिति को देखते हुए आयोजकों को शुक्रवार को बुलाया गया है। बैठक के बाद इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। नकली शादी के इस कारोबार में मोटी कमाई होती है। आयोजक लाखों रुपये लेकर पूरा पैकेज तैयार करते हैं। बरातियों की भीड़ जुटाने के लिए आनलाइन कार्ड भेजे जाते हैं। बराती भी रेगुलर ग्राहक होते हैं। बैंड-बाजे से लेकर सजावट तक सब कुछ असली जैसा होता है, बस असली नहीं होता तो वह है रिश्ता ।इस तरह का आयोजन देवभूमि की संस्कृति को धूमिल करने की साजिश है। किसी भी सूरत में शादी जैसे पवित्र रिश्ते का मजाक नहीं उड़ाने देंगे। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। उत्तराखंड आपदा से जूझ रहा है। ऐसे में आयोजकों को पीड़ितों के दुख में शामिल होना चाहिए, लेकिन वह पैसों की खातिर इस तरह का मजाक बना रहे हैं।

-विकास वर्मा, प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख, बजरंग दल। हिंदू संस्कृति में 16 संस्कारों में एक संस्कार है पाणिग्रहण संस्कार। इस संस्कार का मजाक बनाना सभ्यता का हनन करने जैसा है। ऐसे ही आयोजनों के कारण लोग अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए और हिंदू समाज को भी ऐसे लोगों का विरोध करना चाहिए। पूरी दुनिया संस्कारों से चल रही है, अपनी संस्कृति को बचाना हर किसी का धर्म है। -

अनंतनाग में लगातार बारिश और भूस्खलन के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने के कारण ट्रकों की लंबी कतार लग गई।

पीएम मोदी और ईयू के शीर्ष नेतृत्व ने दिसंबर तक एफटीए करने का जताया संकल्प

नई दिल्ली, 08 सितम्बर [एजेंसी]।भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने गुरुवार को दिसंबर तक बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर मुहर लगाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 27 देशों के समूह ईयू के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वान डेर लेयेन ने अमेरिका की विघटनकारी व्यापार नीतियों के बीच एक नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को बढ़ावा देने का भी संकल्प लिया ।यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और यूरोपीय आयोग की प्रमुख वान डेर लेयेन के साथ एक संयुक्त फोन काल में मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति व स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया ।भारत की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि

नेताओं ने वैश्विक मुद्दों के संयुक्त समाधान, स्थिरता को बढ़ावा देने और पारस्परिक समृद्धि के लिए नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी की भूमिका को रेखांकित किया। तीनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई है, जब भारत ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है ।तीनों नेताओं ने आपसी सुविधानुसार जल्द से जल्द भारत में अगला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर भी चर्चा की और प्रधानमंत्री मोदी ने कोस्टा और वान डेर लेयेन को इसके लिए आमंत्रित किया ।एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में मोदी ने बातचीत को बहुत अच्छा बताया। उन्होंने कहा, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइएमईईसी) के कार्यान्वयन के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आपसी हित के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम इस बात पर सहमत हुए कि स्थिरता को बढ़ावा देने और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने में हमारी रणनीतिक साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। यूक्रेन संघर्ष पर वान डेर लेयेन ने कहा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बिहार में एलोपैथी दवाओं से होमियोपैथी सिरप-तेल बनाने वाले पर गाज, जांच के लिए भेजे गए 8 सैंपल

पटना, 08 सितम्बर [एजेंसी]। दवाओं के दुष्प्रभाव से बचने को यदि आप होमियोपैथी अपनाते हैं तो कारोबारी इसमें भी सेंध लगा रहे हैं। बुधवार को गया जी की गौतम बुद्ध यानी जीबी रोड स्थित राधा होमियो लैबोरेटरी में नकली दवा बनाने के बड़े खेल का खुलासा किया है।

यहां एलोपैथी दवा के इंग्रिडिएंट्स व केमिकल्स से तैयार की गई 20 तरह के होमियोपैथी सिरप व तेल के 22 कार्टन जब्त किए गए। इन दवाओं को पूरे प्रदेश में बेचा जा रहा था। औषधि नियंत्रक नित्यानंद किसलय के निर्देश पर आयुष औषधि निरीक्षक सत्य नारायण ने गयाजी की टीम के

सहयोग से यह कार्रवाई की। आयुष औषधि निरीक्षक सत्य नारायण ने बताया कि 8 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं जबकि तैयार दवाओं को जब्त किया गया है। औषधि निरीक्षक ने बताया कि राधा होमियो ने होमियोपैथी दवा के निर्माण का लाइसेंस लिया हुआ है। कोलकाता से एलोपैथी दवा बनाने के इंग्रिडिएंट्स व केमिकल्स की खरीदारी में उसका नाम शामिल था। होमियोपैथी दवा कंपनी में एलोपैथी दवा के इंग्रिडिएंट्स व केमिकल्स की खरीदारी क्यों हो रही है, इसकी जांच का आदेश राज्य औषधि नियंत्रक ने दिया। इसके बाद स्थानीय टीम के सहयोग से वहां छापेमारी की गई ।इसमें बुखार, दर्द निवारक, खांसी-जुकाम, गैस-अपच, एसिडिटी से लेकर तनाव-अनिद्रा तक की दवाएं शामिल थीं। मौके से तैयार दवाओं के साथ कच्चा माल भी जब्त किया गया है। अब संचालक अविनाश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा लाइसेंस रद करने समेत आगे की कार्रवाई की जा रही है। सत्य नारायण ने बताया कि जो सामान जब्त किया गया है, उसमें अधिसंख्य सिरप व तेल है। प्राथमिक जांच में पाया गया कि इन दवाओं का निर्माण पंजीकृत फार्मूलेशन पर आधारित नहीं था।

सूरजपुर में धर्मांतरण के मामले में 5 गिरफ्तार:चंगाई सभा के आड़ में धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप, सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा

सूरजपुर,08 सिंतगर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में धर्मांतरण के मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि चंगाई सभा के आड़ में लोगों का धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। यह मामला भटगांव थाना क्षेत्र के बुंदिया का है।

जानकारी मुताबिक, बुंदिया में ही रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि मंगल टोप्पो के घर में आयोजित चंगाई सभा में उसे बुलाया गया था। सभा में मौजूद पादरी और अन्य लोगों ने उसे बीमारी ठीक करने का वादा किया। साथ ही धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन भी दिया।

वे गांव में इस तरह की गतिविधियों का प्रचार-प्रसार भी कर रहे थे। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। मौके पर पहुंचकर धर्मांतरण कराने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले 3 गिरफ्तार : दुर्ग में हथियार के साथ पकड़ाए तीनों बदमाश, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

दुर्ग-भिलाई,08 सिंतबर (एजेंसी)। भिलाई नगर पुलिस ने सोमवार को सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। मामला देशी शराब भट्ठी, सिविक सेंटर क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान विक्रम उर्फ विक्की, निवासी उड़िया के रूप में हुई है।

वहीं, नेवई थाना पुलिस ने मंगलवार को सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।पहला मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक 2 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि सिविक सेंटर स्थित शराब भट्ठी के पास एक युवक खुलेआम चाकू लहराकर दहशत फैला रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्रम उर्फ विक्की बताया।

पुलिस ने उसके कब्जे से एक स्टील का धारदार चाकू बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का यह कृत्य गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 463/2025 दर्ज किया गया है। मामले में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।दूसरा मामला नेवई थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेवई बैकुंठ धाम के पास स्थित नर्सरी के पास एक युवक खुलेआम धारदार हथियार लहराकर लोगों को डरा रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम केवल दास मानिकपुरी उर्फ भोला निवासी स्टेशन मरोदा, बीआरपी कॉलोनी मौसमी किराना स्टोर के पास बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से धारदार लोहे का चापड़ जब्त किया। इसी तरह दूसरी कार्रवाई में पुलिस को सूचना मिली कि नेवई डैम के पास एक युवक धारदार हथियार लहरा रहा है। मौके पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी की पहचान श्रवण गंगराई निवासी स्टेशन मरोदा एचएससीएल कॉलोनी के रूप में हुई। उसके पास से भी एक लोहे का धारदार चापड़ जब्त किया गया। दोनों मामलों में अपराध क्रमांक 271/2025 एवं 272/2025 दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

सूडा ने धमतरी जिले के कुरूद में दो तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए 1.16 करोड़ स्वीकृत

रायपुर, 08 सितम्बर (एजेंसी)। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने धमतरी जिले के कुरूद नगर पालिका में दो तालाबों के उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए एक करोड़ 16 लाख 25 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सुडा ने कुरूद नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को राशि की मंजूरी के संबंध में परिपत्र जारी किया है। सुडा ने कुरूद में जलसेन तालाब के उन्नयन और सौंदर्यीकरण के लिए 62 लाख 29 हजार रुपए मंजूर किए हैं। वहीं शहर के मरही तालाब के उन्नयन और सौंदर्यीकरण के लिए 53 लाख 96 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

जिले में दिव्यांगों के लिए 5 दिवसीय बांस कला प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

महासमुंद 08 सितम्बर (एजेंसी)। जिले में दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार से जोड़ने की पहल के तहत बांस कला प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ 01 सितम्बर से किया गया हैं। उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला स्थानीय शासकीय बहुदिव्यांग विशेष विद्यालय महासमुंद के सभागार में 01 सितम्बर से 05 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जा रही है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में जिले भर से आए दिव्यांग प्रतिभागियों को बांस से विभिन्न सजावटी सामग्री जैसे गुलदस्ते, फूल, टोकरी, पेन स्टैंड, ट्रे, तोरण एवं डेकोरेटिव वाल हैंगिंग आदि बनाने और रंगाई की विधियां सिखाई जा रही हैं।प्रशिक्षण के लिए राज्य स्तरीय बांस कलाकार श्री घासीराम कमार, निवासी सोनासिल्ली को आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने भुवनेश्वर (उड़ीसा), बिलासपुर, पिथौरा, बागबाहरा एवं आंवराडबरी सहित विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण प्रदान किया है। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. वृन्दावन पटेल ने बताया कि दिव्यांग प्रतिभागी उत्साहपूर्वक इसमें भाग ले रहे हैं और भविष्य में इसे रोजगार का माध्यम बनाएंगे।

समाधान सेल की सूचना पर 3 आरोपी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

भाटापारा ग्रामीण, 08सितम्बर (एजेंसी)। भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 01-02 सितंबर 2025 की रात समाधान सेल में प्राप्त महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर ग्राम बुचीपार और ग्राम कडार में दबिश देकर 03 आरोपियों को रंगे हाथों देशी मसाला शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से कुल 80 पाव देशी मसाला शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 8000 है, बरामद की है। साथ ही शराब के परिवहन में उपयोग की जा रही एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में जैकी तनवानी (उम्र 23 वर्ष) और सूरज धृतलहरे (उम्र 21 वर्ष), दोनों निवासी भगत सिंह वार्ड, भाटापारा शहर तथा राहुल बंजारे (उम्र 25 वर्ष), निवासी ग्राम कडार, थाना भाटापारा ग्रामीण शामिल हैं। इनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता के पीछे समाधान सेल की भूमिका अहम रही, जो कि पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में संचालित एक महत्वाकांक्षी पहल है।

खैरागढ़ में जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष रिश्वत लेते गिरफ्तार

खैरागढ़, 08 सितंबर (एजेंसी)। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कांडे को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। यह कार्रवाई खैरागढ़ के कलेक्टर कार्यालय में उस समय हुई, जब कांडे एक बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम डोकरा भाटा निवासी भागचंद कुर्रे अपनी जमीन संबंधी काम को लेकर कई दिनों से पटवारी धर्मेंद्र कांडे के पास चक्कर लगा रहा था। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पटवारी ने पहले काम के बदले 10 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन बातचीत के बाद सौदा 9 हजार रुपये में तय हुआ। भागचंद कुर्रे ने इसकी शिकायत एसीबी से की, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। तय योजना के अनुसार, बुधवार को कुर्रे ने पटवारी कार्यालय में जाकर कांडे को 9 हजार रुपये सौंपे। रकम लेने के बाद आरोपी सीधे कलेक्टर कार्यालय की बैठक में चला गया। इसी दौरान एसीबी की टीम ने मौके पर दबिश देकर कलेक्टर कार्यालय से ही आरोपी पटवारी को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया। सबसे हैरानी की बात यह है कि धर्मेंद्र कांडे खुद पटवारी संघ का अध्यक्ष है

स्कूल में छात्र को किया गया टार्चर

स्कूल प्रबंधन के खिलाफहिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा, स्कूल, कार्रवाई की मांग

जगदलपुर, 08 सितंबर (एजेंसी)। नगर के निर्मल विद्यालय में छात्र के साथ प्रताड़ना और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। इसे लेकर हिंदू संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।नगर के लालबाग स्थित निर्मल विद्यालय में 12वीं कक्षा के छात्र गौतम लाहोटी पिता संजय लाहोटी से दुर्व्यवहार का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना से हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त है। घटना कल की बताई जा रही है जिसमें प्रिंसिपल द्वारा छात्र के साथ दुर्व्यवहार किए जाने की खबर है। बताया गया है कि गौतम लाहोटी के पेट में असहनीय दर्द उठा जिसकी जानकारी उसने विद्यालय प्रशासन को दी, जिसे अनसुना कर विद्यालय प्रशासन ने चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के बजाय उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए कहा कि यदि मर भी जाओगे तो तुम्हे यहीं स्कूल में दफ्ना दिया जाएगा उसे विद्यालय से छुट्टी भी नहीं दी गई। गौतम लाहोटी की बहन ने विद्यालय में जाकर उसका हालचाल जानना चाहा, मगर उसे भाई से मिलने की अनुमति भी विद्यालय प्रशासन ने नहीं दी। उल्टे उस पर दबाव बनाया गया। इस मामले को लेकर छात्र के पिता ने कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायती पत्र देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उधर विभिन्न हिंदू संगठनों व विश्व हिंदू परिषद द्वारा भी शिकायती पत्र देकर मांग की गई है कि ऐसी घटनाओं से विद्यालय प्रशासन को बचना चाहिए व न्याय संगत निर्णय लेना चाहिए व दोषियों पर कानून सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए। विश्व हिंदू परिषद द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग को ज्ञापन दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय में भी पत्र दिया गया है। इस दौरान विहिप के विभाग मंत्री रवि ब्रह्मचारी, शंकर लाल गुप्ता, योगेंद्र कौशिक, नवीन देवांगन, रणजीत पांडे विजय भारत, पवन राजपूत, मुन्ना कोरी, प्रतीक, विष्णु ठाकुर, सनी रैली, घनश्याम नाग, पंकज मिश्रा, जगदीश ठाकुर, राहुल, जानी चाहिए।

सिस्टम बदहाल:डॉक्टर बताता रहा और एंबुलेंस ड्राइवर घायल को टांके लगाता रहा

महासमुंद,08 सिंतबर (एजेंसी)। बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां डॉक्टर की मौजूदगी में एक निजी एंबुलेंस ड्राइवर ने घायल को टांके लगा दिए। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है।

जानकारी के मुताबिक 12 अगस्त की रात एक सड़क हादसे में घायल नोमेश ध्रुव को 112 एंबुलेंस से बागबाहरा सीएचसी लाया गया था। यहां डॉ. सौम्य रंजन पटेल की ड्यूटी थी। इलाज के दौरान जब मरीज को टांके लगाने की जरूरत पड़ी, तो डॉक्टर की मौजूदगी

में एंबुलेंस ड्राइवर मनोज यादव ने घायल को टांके लगा दिए। इस घटना की जांच की मांग की जा रही है।महासमुंद सीएचएमओ आई नागेश्वर राव ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है और वह जांच के बाद ही इस पर कुछ कह पाएंगे।

जशपुर पुलिस की कार्यवाही, जुआ खेलते पकड़ा 14 लोगों को, जुआ फड़ से 54,250 रु को किया जप्त

जशपुर, 08सितंबर (एजेंसी)। पुलिस ने जुआडियो के कब्जे से ताश की गड्डी, एक मोटर साइकल,01 स्कूटी, एक टाटा नैक्शन कार व 14 नग मोबाइल फोन को भी किया जप्त मामले में पकड़े गए जुआड़ियों का नाम क्रमशः -01. मो. फरदीन अंसारी उम्र 25 वर्ष, निवासी बस स्टैंड जशपुर। 02. मो. फिरोज अली, उम्र 45 वर्ष, निवासी बिजलीटोली जशपुर। अर्जुन राम उम्र 35 वर्ष, निवासी डिपाटोली जशपुर। चांद अकरम उर्फचंदा शेख, उम्र 35 वर्ष निवासी दर्जी मोहल्ला जशपुर। राजेन्द्र राम उर्फ टेप, उम्र 39 वर्ष निवासी डीपाटोली जशपुर। पंकज गुप्ता, उम्र 30 वर्ष, निवासी बनिया टोली, जशपुर। करण ताम्रकार उम्र 24 वर्ष, निवासी नवाटोली जशपुर। सूरज चौधरी उम्र 32 वर्ष, निवासी टंकी टोली जशपुर। आनंद राम उम्र 28 वर्ष, निवासी डीपाटोली जशपुर। ऑफिर अंसारी उम्र 29 वर्ष निवासी करबला रोड, आजाद मोहल्ला जशपुर। विनय ताम्रकर उम्र 25 वर्ष निवासी नवा टोली जशपुर। आशीष गुप्ता उम्र 44 वर्ष निवासी बाकी टोली जशपुर। शिवम् राम नायक उम्र 22 वर्ष निवासी निवासी रक्षित कॉलोनी जशपुर। 14. खगेश्वर प्रसाद उम्र 25 वर्ष निवासी दरबारी टोली जशपुर। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 02.09.25 को सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस को मुखबीर से पुख्ता सूचना मिली थी कि कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लक्ष्मी नगर, टिकैत गंज में, फिरोज नाम का व्यक्ति एक घर में, जुआड़ियों को इकट्ठा कर रुपए का दांव लगाकर, ताश पत्ती से जुआ खिला रहा है। जिस पर सिटी कोतवाली ं को अवगत कराते हुए।

दुपहिया वाहन चोर पकड़ाया,सात बाईक बरामद

दुर्ग, 08 सितम्बर (एजेंसी)। जिले की थाना नेवई पुलिस ने एक . आदतन मोटर सायकल चोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से चोरी की सात मोटरसायकल बरामद की गई है।मिली जानकारी के अनुसर जिलों में हो रही वाहन चोरी पर लगाम लगाने एवं वाहन चोरो की पतासाजी तथा चोरी गए वाहनों की बरामदगी हेतु अभियान चलाकर बरामदगी हेतु नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम व्दारा वाहन चोरी के मामले में एक संदेही को पकडकर पूछताछ करने पर अपना नाम शुभम श्रीवास निवासी गडहा फाटक जगदीश मंदिर के पास थाना ओमती जिला जबलपुर मप्र हाल कातुलबोड सतनाम भवन के पास लक्ष्मण सिंह के मकान मे किराये से रहना बताया7 जो थाना नेवई के अपराध क्रमांक 236/2025 धारा 303(2) बीएनएस में चोरी गए मशरुका वाहन को चोरी करना एवं दिनांक 01.05.2025 को महाराष्ट्र पासिंग एक एक्टीवा गाड़ी क्रमाक एमएच 12 एलजेड 7542 को बीटीआई कालेज दुर्ग मेन गेट के पास पदमनाभपुर दुर्ग से चोरी कर चला रहा था जिसे थाना वैशाली नगर थाने मे मारपीट के मामले मे आरोपी से जप्त किये है जो थाना वैशाली नगर मे खड़ी है उसके पहले माह अप्रेल 2025 में जलतरंग बार के पास रिसाली से एक टीवीएस अपाचे मोसा नं सीजी 07 सीएफ 7578 चोरी करना जिसे पेट्रोल खत्म हो जाने पर शराब भटठी रोड टंकी मरोदा के पास खड़ी कर दिया था । मारपीट के मामले मे थाना वैशाली नगर से केन्द्रीय जेल मे भेज दिया गया था दिनांक 01.09.2025 को जेल से छुटना जेल जाने के पहले पैसे की जरूरत होने से एक ढेड माह पूर्व अकेले आई पाकेट मरोदा सेक्टर भिलाई में आया था और दिन मे करीबन 11.00 से 12.00 बजे के बीच घर के सामने खड़े एक मोटर सायकल फैशन प्रो क्रमांक सीजी 07 बीके 4525 को चोरी कर ले गया था जिसे कुछ दिन तक चलाना पेट्रोल खत्म हो जाने से मोसा को टंकी मरोदा शराब भटठी रोड नर्सरी के पास छोडकर भाग गया था दिनांक 01.09.2025 के पहले दुर्ग भिलाई क्षेत्र मे घुम घुम कर मोसा चोरी करता था और पेट्रोल खत्म हो जाने पर उन्हे वहीं छोड़कर भाग जाता था काफी पहले चार मोसा विभिन्न कम्पनी व मॉडल के 1. हीरो होण्डा 2. हीरो स्प्लेण्डर ग्लैमर नीला रंग का 4. हीरो स्प्लेण्डर को जो काफी पुराना था। जिसे रिसाली सेक्टर मैदान से चारो मोसा को कुछ दिन के अंतराल में एक एक कर चोरी कर चारो मोसा को बेचने के लिये ग्राहक तलाश करने नेवई बैकुण्ठ धाम मंदिर के पीछे नर्सरी झाड़ी में छुपा कर रखा था जिसे आरोपी की निशानदेही पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। विवेचना के दौरान आरोपी के व्दारा अपना गुनाह कबुल करने के बाद उसपर धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर दिनांक 03.09.2025 को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमांड पर न्यायालय दुर्ग भेजा गया है। इस तरह आरोपी से थाना पदमनाभपुर से चोरी के 01 थाना नेवई के 02 एवं अन्य 04 मोटर सायकल कुल 07 मोटरसायकल को जप्त किया गया है।

सस्ते में सोना लेने सिपाही पहुंचा एमपी पारधी गिरोह ने लूट लिए 17.50 लाख

रायपुर,08 सिंतबर (एजेंसी)। नवा रायपुर में पदस्थ ट्रैफिक सिपाही मयंक खुंटे से एमपी खंडवा के पास लूट हो गई। सिपाही को जमीन में गड़ा सोना सस्ते में देने का झांसा देकर खंडवा बुलाया गया। सिपाही 17.50 लाख रुपए लेकर सोना खरीदने के लिए पहुंचा। वहां पारधी गिरोह ने उसके ऊपर कुल्हाड़ी व हंसिए से हमला हो गया। सिपाही का पैसा लूटकर भाग निकले ।आरक्षक किसी तरह नजदीक के पुलिस स्टेशन में पहुंचकर मामले की जानकारी दी। पुलिस ने दो लुटेरों को पकड़ लिया है। उनसे 14 लाख रुपए जब्त किया गया है। सिपाही का एमपी में इलाज चल रहा है। सिपाही मयंक ने अधिकारियों से गाड़ी खरीदने के नाम पर छुट्टी ली थी। वह ड्यूटी से गैरहाजिर है।पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी मयंक खुंटे नवा रायपुर

ट्रैफिक थाना में पदस्थ है। उसकी एक माह पहले पारधी गिरोह के सरगना युवराज पारधी से झारखंड में मुलाकात हुई थी। तब से उनके बीच बातचीत चल रही थी। युवराज ने झांसा दिया कि उसे गड़ा हुआ धन मिला है। हंड़े में एक किलो से ज्यादा का सोना है।उसे वह सस्ते में दे देगा। मयंक लालच में आया गया। उसने अपने साथियों से गाड़ी खरीदने के लिए उधार में 17.50 लाख रुपए लिया है। वह 28 अगस्त को छुट्टी लेकर साथियों के साथ एमपी निकल गया। वह 29 अगस्त को एमपी आशापुर पहुंचा।वहां पिपलोद का युवराज उर्फ सेवक राम और शबनम समेत चार लोग मिले। वहां ढाबा में भोजन किए। फिर 31 अगस्त की सुबह 7 बजे वह हरदा रोड पर तोरनिया सोलर प्लांट के पास पहुंचे। यहां आरोपियों ने आरक्षक और उसके साथियों पर हमला कर दिया। कुल्हाडी, हंसिया और डंडा से हमला किया। पैसा लूटकर भाग गए। पुलिस ने युवराज और शबनम को पकड़ लिया है।

सिपाही मयंक ने एमपी पुलिस को बयान दिया है कि जुलाई में पारदी गैंग के सरगना युवराज सिंह की मुलाकात अजय परिहार से हुई थी। जहां युवराज ने गढ़े हुए सोने की जानकारी दी। अजय मयंक के भाई के दुकान में काम करता है। अजय ने गढ़े सोने की जानकारी मयंक के भाई को दी।

फिर यह बात मयंक तक पहुंची। मयंक ने युवराज से बात किया और सैंपल मंगाया। युवराज ने असली सोना भेजा। मयंक ने सोने की जांच की, वह 24 कैरेट का असली सोना था। मयंक को भरोसा हो गया। इसलिए वह खरीदने गया था।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, दाढ़ी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत कातने, लपेटने में काम आने वाली चर्खी से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. [illegible] 8. बेइज्जती, अनादर 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला, विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14. [illegible] 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. [illegible] 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

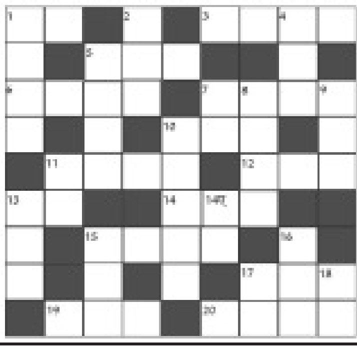

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			ई			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दीं		बा	बू		ह	बा
र	हु	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नी	क	र			मा
भा	ई		का			बा	द	ल

शुभमन ने अभ्यास में दिखाए आतिशी तेवर, बुमराह समेत भारतीय टीम ने कोच गंभीर की अगुआई में बहाया पसीना

दुबई ,08 सितंबर (एजेंसी)। दुबई के आईसीसी अकादमी में गिल ने लंबे नेट सत्र में आतिशी तेवर अपनाए। नए हेयर स्टाइल के कारण ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र रहे।एशिया कप की तैयारियों के लिए भारतीय टीम शुक्रवार को इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार एक साथ अभ्यास के लिए उतरी। इस दौरान टेस्ट टीम के कप्तान और टी20 टीम में एक साल बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल पर निगाहें रहीं। दुबई के आईसीसी अकादमी में उन्होंने लंबे नेट सत्र में आतिशी तेवर अपनाए। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। भारत ने 2023 में वनडे प्रारूप में खेले गए एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। भारत को एशिया कप में अपना

पहला मैच 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ खेलना है। 14 सितंबर को टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 19 सितंबर को मुकाबला ओमान के साथ होगा। 20 सितंबर से प्लेऑफ खेले जाने हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव की अगुआई में गिल, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने नेट पर लंबे समय तक बल्लेबाजी की।

नए हेयर स्टाइल के कारण ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने प्रशंसकों को बालों के नए अंदाज के कारण हार्दिक पंड्या ऑटोग्राफ भी दिए। टीम ने बिना प्रायोजक की जर्सी के साथ अभ्यास किया। ड्रीम-11 से हाल ही में मुख्य प्रायोजक का करार टूट गया है। एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में कोई आधिकारिक शिविर नहीं लगाया गया। गिल, बुमराह, कुलदीप, अर्शदीप को एक महीने का आराम दिया गया।

सभी खिलाड़ी निजी तौर पर गुरुवार को दुबई पहुंचे थे। दुबई के मौसम से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय टीम पहले ही दुबई पहुंच गई। 40 दिन के आराम के बाद मैदान पर उतरे बुमराह अभ्यास के दौरान अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के साथ हंसी-मजाक करते नजर आए। सैमसन ने कोच गौतम गंभीर और फील्डिंग कोच के साथ लंबी मंत्रणा की।गिल, बुमराह, कुलदीप, अर्शदीप को एक महीने का आराम दिया गया। सभी खिलाड़ी निजी तौर पर गुरुवार को दुबई पहुंचे थे। दुबई के मौसम से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय टीम पहले ही दुबई पहुंच गई। 40 दिन के आराम के बाद मैदान पर उतरे बुमराह अभ्यास के दौरान अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के साथ हंसी-मजाक करते नजर आए।

गावस्कर ने सैमसन को प्लेइंग-11 में शामिल करने की वकालत की, बताया किस स्थान पर कर सकते हैं बल्लेबाजी

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसी)। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए जो टीम चुनी है उसमें सैमसन भी शामिल हैं, लेकिन उनके प्लेइंग-11 में शामिल होने को लेकर संशय चल रहा है क्योंकि ओपनिंग के लिए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का विकल्प मौजूद है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एशिया कप के दौरान संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में शामिल करने की वकालत की है। गावस्कर का कहना है कि सैमसन उस काबिलियत के खिलाड़ी हैं जिन्हें अगर 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है तो आप उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर नहीं रख सकते हैं। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से करेगा।

यूएई के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा भारत

भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए जो टीम चुनी है उसमें सैमसन भी शामिल हैं, लेकिन उनके प्लेइंग-11 में शामिल होने को लेकर संशय चल रहा है क्योंकि ओपनिंग के लिए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का विकल्प मौजूद है। गिल एशिया कप से टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी करेंगे। हालांकि, गावस्कर का कहना है कि सैमसन अभिषेक और गिल के बाद तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, अगर आप संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी को कोर टीम में लेते हैं तो आप उन्हें रिजर्व में नहीं छोड़ सकते। हां, मुझे लगता है कि किसी भी चयन समिति के लिए यह एक बहुत बड़ा सिरदर्द है कि आपके पास दो काबिल बल्लेबाज हों और संजू सैमसन जैसा कोई खिलाड़ी हो जो शायद तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सके और जरूरत पड़ने पर छठे नंबर पर फिनिशर के तौर पर उतर सके। जितेश ने आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है जहां वह बहुत अच्छा खेले। मुझे लगता है कि यह दौरे की चयन समिति के लिए एक सुखद सिरदर्द है।

गावस्कर को उम्मीद, सैमसन को शुरुआती मैचों में मिलेगा मौका

गावस्कर का मानना है कि सैमसन को कम से कम कुछ मैच तो मिलेंगे ही। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शायद सैमसन को कम से कम पहले कुछ मैचों के लिए जितेश से पहले मौका मिल जाएगा और फिर बाकी टूर्नामेंट में उनकी फॉर्म पर निर्भर करेगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ही होगा। इसलिए मुझे लगता है कि शायद वे सैमसन को तीसरे नंबर पर और तिलक को पांचवें या छठे नंबर पर फिनिशर के रूप में रखने के बारे में सोच रहे होंगे क्योंकि हार्दिक पांड्या भी टीम में हैं। इसलिए हार्दिक शायद फिर से पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

गावस्कर का मानना है कि रिंकू सिंह या शिवम दुबे में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ सकता है। गावस्कर ने यह भी स्पष्ट किया कि जसप्रीत बुमराह को कार्यभार संबंधित कोई समस्या नहीं होगी क्योंकि वह प्रति मैच केवल चार ओवर ही गेंदबाजी करेंगे और वह भी दो या तीन स्पैल में।भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए जो टीम चुनी है उसमें सैमसन भी शामिल हैं, लेकिन उनके प्लेइंग-11 में शामिल होने को लेकर संशय चल रहा है क्योंकि ओपनिंग के लिए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का विकल्प मौजूद है। गिल एशिया कप से टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी करेंगे। हालांकि, गावस्कर का कहना है कि सैमसन अभिषेक और गिल के बाद तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, अगर आप संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी को कोर टीम में लेते हैं तो आप उन्हें रिजर्व में नहीं छोड़ सकते। हां, मुझे लगता है कि किसी भी चयन समिति के लिए यह एक बहुत बड़ा सिरदर्द है ।

जब कोच की सहायता के लिए हार्दिक और क्रुणाल ने बढ़ाए थे हाथ, मां के बीमार होने पर भी की मदद

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसी)। जितेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि पांड्या भाइयों ने अब तक उन्हें करीब 70-80 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है। वे उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।भारतीय क्रिकेट के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या अपनी आक्रामक खेल शैली और कभी हार न मानने वाले जज्बे के लिए मशहूर हैं। मैदान पर दोनों विपक्षियों के लिए काल साबित होते हैं, लेकिन मैदान के बाहर उनका एक बेहद संवेदनशील और मानवीय चेहरा सामने आता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उनके बचपन के कोच जितेंद्र सिंह के साथ साझा किया गया रिश्ता है। जितेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि पांड्या भाइयों ने अब तक उन्हें करीब 70-80 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है। वे उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में जितेंद्र सिंह ने बताया कि हार्दिक और क्रुणाल ने उनकी बहन की शादी में आर्थिक सहायता की

थी। उन्होंने कहा, 'हार्दिक और क्रुणाल ने मेरी पहली बहन की शादी 2018 में करवाई। उन्होंने वित्तीय सहयोग दिया और सुनिश्चित किया कि शादी अच्छे से हो। फरवरी 2024 में दूसरी बहन की शादी के समय हार्दिक ने 20 लाख रुपये कार खरीदने के लिए भेजे, साथ ही अन्य खर्चों की जिम्मेदारी भी उठाई। हार्दिक ने कहा, आपकी बहन मेरी बहन है। बस शादी की तारीख बता देना, बाकी चिंता मत करना।'

हार्दिक के आईपीएल 2015 में मुंबई इंडियंस से डेब्यू के बाद जब जितेंद्र की मां गंभीर रूप से बीमार हो गईं थीं, लेकिन जितेंद्र ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी थी। हालांकि, हार्दिक को कहीं से सूचना मिली और उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। जितेंद्र ने कहा, 'हार्दिक ने बस इतना कहा मेरे सारे पैसे ले लो और मां का इलाज कराओ। यही उनकी उदारता का पहला बड़ा उदाहरण था।' ऑस्ट्रेलिया दौरे (2015-16) से लौटने के बाद हार्दिक ने जितेंद्र को 5-6 लाख रुपये की कार गिफ्ट की थी। जितेंद्र ने बताया कि पहले वह इस तोहफे के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन हार्दिक के जिद करने पर उन्होंने इसे स्वीकार किया था। जितेंद्र ने कहा, 'हम यह कार आपकी सुरक्षा के लिए दे रहे हैं। बाइक पर सफर करना खतरनाक है।' जितेंद्र बताते हैं कि मुंबई इंडियंस के 2017 और 2019 में आईपीएल जीतने के बाद भी पांड्या भाइयों ने उनकी आर्थिक मदद की थी। हाल ही में 2025 में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल जीता, तब क्रुणाल ने ताकि वे कार खरीद सकें।

व्यापार

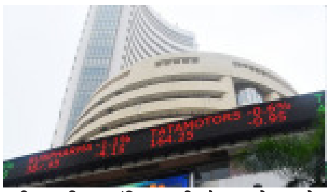

जीएसटी काउंसिल की बैठक से पहले बाजार की सपाट शुरुआत, सेंसेक्स-निफ्टी में उठा-पटक जारी

मुंबई ,08 सितंबर (एजेंसी)। कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेश की लगातार निकासी के बीच घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों शुरुआती कारोबार में दबाव में रहे। वहीं निवेशक आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक को लेकर भी सतर्क दिखे ।बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 153.28 अंक टूटकर 80,004.60 पर आ गया, वहीं, अगर बात एनएसई के निफ्टी की करें तो वह 46.40 अंक की गिरावट के साथ 24,533.20 पर कारोबार कर रहा था ।सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट शुरुआती कारोबार में नुकसान में रहीं। वहीं, दूसरी ओर, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ईटरनल, आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा में तेजी दर्ज की गई ।विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को घरेलू शेयरों में से 1,159.48 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। वहीं, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत टूटकर 68.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया ।विदेशी बाजारों का ऐसा रहा हालवहीं अगर बात विदेशी बाजारों की करें तो एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्केई 225, चीन का एसएसई कॉम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

शुगर मिलों और डिस्टिलरी को गन्ने से एथेनॉल बनाने की पूरी अनुमति

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 2025-26 मार्केटिंग वर्ष में शुगर मिलों और डिस्टिलरी को एथेनॉल उत्पादन के लिए किसी भी प्रकार की मात्रात्मक सीमा नहीं होगी. यह मार्केटिंग वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलेगा. इस फैसले का उद्देश्य देश में एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देना और पेट्रोल' एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को गति देना है.फूड मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, शुगर मिलों और डिस्टिलरी को इस दौरान गन्ने के रस, शुगर सिरप, बी-हेवी और सी -हेवी मोलासेस से एथेनॉल बनाने की अनुमति दी गई है. मंत्रालय ने यह भी बताया कि पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर शुगर के एथेनॉल उत्पादन में उपयोग को नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी, ताकि घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति में कोई बाधा न आए.सन्दर्भ के तौर पर, चालू ईएसवाई 2024-25 में सरकार ने 40 लाख टन चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करने की अनुमति दी थी. इस बार की नीति से उम्मीद है कि एथेनॉल उत्पादन और मिश्रण में वृद्धि होगी, जिससे देश के ईंधन सुरक्षा लक्ष्यों को भी बल मिलेगा.ईंधन में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल के साथ एथेनॉल का मिश्रण बेचती हैं.

भारी मंदी के कगार पर अमेरिका, मूडीज ने जारी की चेतावनी, एक-तिहाई अर्थव्यवस्था पहले से संकट में

वाशिंगटन,08 सितंबर(एजेंसी)। मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जांडी ने चेताया है कि अमेरिका गहरी मंदी की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक-तिहाई जीडीपी देने वाले राज्य पहले ही मंदी की चपेट में हैं या करीब पहुंच चुके हैं। सरकारी नौकरियों में भारी कटौती और धीमी रोजगार वृद्धि इस गिरावट के संकेत हैं। सरकार के दावे से यह आकलन एकदम उलट है।

मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जांडी ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए अब तक की सबसे गंभीर मंदी की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय आंकड़े भले ही ठीक दिख रहे हों, लेकिन क्षेत्रीय और नौकरी से जुड़े आंकड़े गहरी कमजोरी दिखा रहे हैं। यह चेतावनी सरकार के आकलन से बिल्कुल उलट है। जांडी के अनुसार, अमेरिका का लगभग एक-तिहाई जीडीपी उन राज्यों से आता है, जो या तो पहले से ही मंदी में हैं या इसके बहुत करीब पहुंच चुके हैं।उत्तर-पूर्व, मध्य-पश्चिम और वाशिंगटन डीसी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां सरकारी नौकरियों में कटौती हो रही है। इस साल जनवरी से मई तक वाशिंगटन डीसी में 22,100 सरकारी नौकरियां खत्म की गई हैं। यह कटौती ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद शुरू की गई थी। दूसरा एक तिहाई हिस्सा स्थिर है, जबकि बाकी एक तिहाई में वृद्धि हो रही है।जांडी का कहना है कि दक्षिणी राज्य आगे बढ़ रहे हैं, पर रफ्तार धीमी हो रही है। जांडी ने मंदी या मंदी के जोखिम वाली श्रेणी में अमेरिका के 22 राज्यों को रखा है। स्थिर लेकिन कमजोर राज्यों की श्रेणी में 13 राज्य हैं। जांडी के मुताबिक, पिछले माह अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां सृजित हुईं, जो उम्मीद से बहुत कम हैं। मई व जून के आंकड़े भी संशोधित किए गए हैं, जिससे तीन महीने की औसत नौकरी वृद्धि

केवल 35,000 रह गई है। 400 उद्योगों में आधे से ज्यादा में नौकरियां कम हो रही हैं, जो इतिहास में मंदी का संकेत रहा है। दुनिया और भारत पर ये होगा असरदुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते अमेरिका में मंदी का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दिखेगा। दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आ सकती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आने से वैश्विक व्यापार और कमजोर हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत भी अमेरिकी मंदी से अछूता नहीं रहेगा। भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और कपड़ा, अमेरिकी बाजार पर बहुत हद तक निर्भर हैं। अमेरिका में मांग घटने से इन क्षेत्रों में निर्यात कम हो सकता है, जिससे भारतीय कंपनियों की आय प्रभावित होगी।

इसके अलावा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें भारतीय निर्यातकों के लिए चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कमी भी भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकती है ।ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में लगातार छठे महीने गिरावटराष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से दूसरे देशों के खिलाफ लगाए गए भारी भरकम टैरिफ का दुष्प्रभाव अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नजर आने लगा है। अगस्त में अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में लगातार छठे महीने गिरावट दर्ज की गई। फैक्ट्रियों को ट्रंप प्रशासन के आयात शुल्कों से निपटना पड़ रहा है। कुछ कारोबारियों ने वर्तमान स्थिति को महामंदी से भी अधिक खराब करार दिया है। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट (आईएसएम) की तरफ से मंगलवार जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ निर्माताओं ने शिकायत की है कि अत्यधिक आयात शुल्क के कारण अमेरिका में वस्तुओं के निर्माण करना मुश्किल हो रहा है। सेंटेंडर यूएस कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अमेरिकी अर्थशास्त्री स्टीफन स्टेनली ने कहा, मैं व्यापक अर्थव्यवस्था को, तथा विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र को टैरिफ संबंधी अनिश्चितता के समाप्त होने तक स्थिर स्थिति में ही देखता हूं।कागज से मशीनरी तक 10 उद्योगों में गिरावट आईएसएम ने बताया कि उसका विनिर्माण पीएमआई जुलाई के 48.0 से बढ़कर पिछले महीने 48.7 हो गया। पीएमआई का 50 से नीचे का स्तर विनिर्माण क्षेत्र में संकुचन दर्शाता है, जिसका अर्थव्यवस्था में 10.2 फीसदी योगदान है। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि पीएमआई बढ़कर 49.0 हो जाएगा। जिन 10 उद्योगों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें कागज उत्पाद, मशीनरी, विद्युत उपकरण, उपकरण और कलपुर्जे के साथ ही कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाले उद्योग भी शामिल हैं।

रूस, नीदरलैंड और ब्राजील में फार्मा निर्यात बढ़ाएगा भारत, अमेरिकी टैरिफ से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली ,08 सितंबर (एजेंसी)। भारत के दवा निर्यात में अमेरिका का योगदान एक तिहाई से थोड़ा अधिक है। अमेरिका फार्मा उत्पादों पर 200 फीसदी तक टैरिफ लगाने की योजना बना रहा है।?इससे निपटने के लिए भारत अन्य बाजारों में निर्यात बढ़ाना चाहता है। भारत रूस, नीदरलैंड और ब्राजील को दवा निर्यात बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच अपने सबसे बड़े बाजार अमेरिका से आगे अन्य देशों में उपस्थिति बढ़ाना और अतिरिक्त बाजारों की पहचान करना है। भारतीय दवा उद्योग अभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ से मुक्त

है, लेकिन स्थिति को लेकर अनिश्चितता के कारण यह क्षेत्र चिंता में है।भारत के दवा निर्यात में अमेरिका का योगदान एक तिहाई से थोड़ा अधिक है। इसमें मुख्य रूप से लोकप्रिय दवाओं के सस्ते जेनेरिक संस्करण शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका फार्मा उत्पादों पर 200 फीसदी तक टैरिफ लगाने की योजना बना रहा है।?इससे निपटने के लिए भारत अन्य बाजारों में निर्यात बढ़ाना चाहता है। जिन पर प्रमुख रूप से देश की नजर है, उसमें रूस, ब्राजील, नीदरलैंड और यूरोप के कुछ देश शामिल हैं।नए बाजारों की खोज से टैरिफ से निपटने में मिलेगी मददचुनौतियों पर होगी चर्चा ः भारत को उम्मीद है कि नई दिल्ली में होने वाले आगामी अंतरराष्ट्रीय औषधि प्रदर्शनी में इन बाजारों की नियामकीय चुनौतियों पर चर्चा होगी। इसमें वैश्विक नियामक हितधारक भी शामिल होंगे। चूंकि, रातोंरात निर्यात नहीं बढ़ सकता, इसलिए इन देशों में नियामकीय चुनौतियों पर चर्चा होगी। भारत सरकार मुक्त व्यापार समझौते के बाद ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दवा समूहों के साथ बातचीत कर रही है।ब्रिटेन दूसरा सबसे बड़ा बाजारः भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार ब्रिटेन है। इसकी बिक्री 91.4 करोड़ डॉलर है। ब्राजील में 77.8 करोड़ डॉलर की दवाओं की बिक्री होती है। 2024-25 में नीदरलैंड और रूस को निर्यात क्रमशः 61.6 करोड़ डॉलर और 57.7 करोड़ डॉलर रहा।

भारत ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ को लेकर अमेरिका से मांगा परामर्श, जल्द बातचीत होने की उम्मीद

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिका ने इस वर्ष 30 जुलाई को तांबे के कुछ उत्पादों के सभी आयात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने का उपाय अपनाया था। यह उपाय इस साल एक अगस्त से असीमित अवधि के लिए लागू किया गया। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सुरक्षा समझौते के तहत अमेरिका के समक्ष परामर्श की मांग रखी है।भारत ने तांबे के उत्पादों पर लगाए गए 50% शुल्क को लेकर मंगलवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सुरक्षा समझौते के तहत अमेरिका के समक्ष परामर्श की मांग रखी है।

यह कदम भारत की तरफ से इस्पात, एल्युमीनियम व वाहन कलपुर्जों पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखने के बाद उठाया गया है।अमेरिका ने इस वर्ष 30 जुलाई को तांबे के कुछ उत्पादों के सभी आयात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने का उपाय अपनाया था। यह उपाय इस साल एक अगस्त से असीमित अवधि के लिए लागू किया गया। डब्ल्यूटीओ के एक पत्र में कहा गया, भारत का मानना है कि यह कदम वैसे तो सुरक्षा हितों के लिए उठाए जाने का दावा किया गया है, वास्तव में एक सुरक्षा उपाय है। यह पत्र भारतीय प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर प्रसारित किया जा रहा है।इसमें कहा गया है कि अमेरिका ने सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्णय के बारे में विश्व व्यापार संगठन की सुरक्षा समिति को सूचित नहीं किया है।

जीएम कार्यालय के सामने खाट पर लेटकर प्रदर्शन

कुसमुंडा प्रबंधन के खिलाफ महिलाओं ने फिर खोला मोर्चा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल कुसमुंडा मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य गेट पर एक बार फिर आंदोलन में ग्रामीण डट गए हैं। तालाबंदी कर गेट के सामने खाट लगा व बर्तन रखकर रोजगार की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। अपनी मांगों को बुलंद करते हुए महिलाओं ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। आंदोलन से एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों को सख्ते में ला दिया है।

आंदोलन कर रही महिलाओं द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि वे विगत 22 वर्षों से भूमि के एवज में मिलने वाले रोजगार के लिए प्रयासत् हैं, लेकिन एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र के अधिकारियों के द्वारा बार-बार गुमराह व झुठा आश्वासन दिया जा रहा है। जिससे वे मानसिक एवं आर्थिक स्थिति से त्रस्त हो चुके हैं। उनका कहना है कि हम लोग एसईसीएल कार्यालय में जानकारी के लिए जाते हैं, तो कुछ भी नहीं बताया जाता है, न ही सूचना का अधिकार मिलता है। डांट-फटकार कर बाहर निकाल दिया जाता है। एसईसीएल कुसमुण्डा प्रबंधन, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस की मिलीभगत है, ताकि जमीन देने वाले ग्रामीण आवाज न उठा सकें। ज्ञापन में कहा गया है कि पुलिस को सामने लाकर ग्रामीणों को दबाया जाता है। ताकि भू-विस्थापित किसान एसईसीएल के ऊपर कोई दबाव न डाले। दबाव डालने वालों को जेल भेज दिया जाता है। संजय दुबे (सिक्योरिटी गार्ड) के द्वारा एफआईआर दर्ज करवा दिया जाता हैं। अनिश्चितकालीन हड़ताल के तहत 8 से 10 सितंबर तक खदान से कोल उत्पादन ठप्प, जीएम ऑफिस के सामने मेन व छोटा गेट में ताला बंदी कर धरना प्रदर्शन की बात उन्होंने कही है। सोमवार सुबह से उनका आंदोलन शुरू हो गया था।

दो बाइक में टक्कर, एक युवक की मौत

पाली न्यायालय चौक के पास हुआ हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विकासखंड पाली अंतर्गत गांव बनबांधा से गणेश विसर्जन देखने पाली जा रहे युवकों की बाइक विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। इसमें तीन युवक घायल हो गए। एक युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि दो युवकों अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दुर्घटना शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे हुई। विकासखंड पाली अंतर्गत गांव बनबांधा का रहने वाला अन्नु गोंड उम्र 22 वर्ष अपने दो अन्य साथी अरूण खैरवार और पुष्पराज खैरवार बाइक से गणेश प्रतिमा का विसर्जन देखने पाली जा रहे थे। युवक पाली न्यायालय चौक के पास पहुंचे थे कि एक विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी बाइक टकरा गई। आमने-सामने हुई टक्कर में पांच लोग घायल हो गए। दूसरी बाइक पर दो युवक सवार थे। घटना में अन्नू गोंड़, अरूण और पुष्पराज के सिर में गंभीर चोटें आई। घटनास्थल पर खून पसर गया। घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया। परीक्षण कर डॉक्टर ने अन्नू को मृत घोषित कर दिया। जबकि अरूण और पुष्पराज का इलाज जारी है। दूसरी बाइक पर सवार युवकों को भी आंशिक चोटें आई है। हालांकि टक्कर के बाद दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवक मौके से फरार हो गए। पाली पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

बाइक की टक्कर से महिला घायल

बांगो क्षत्र के मोरगा बाजार से वापस लौट रही महिला को तेजरफ्तार बाइक ने ठोकर मार दिया। हादसे में ग्राम टिहलीसरई निवासी कलासो बाई उम्र 35 वर्ष घायल हो गई। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। कलासो बाई मोरगा बाजार में सब्जी खरीदने गई थी। वापस लौट रही थी। ग्राम केंदई मेनरोड के पास तेजरफ्तार बाइक ने ठोकर मार दिया। आरोपी बाइक क्रमांक सीजी 11 एमएस 2294 का चालक ग्राम बुगराभांठा में रहने वाला पहर सिंह है।

कोल इंडिया चेयरमैन के लिए इंटरव्यू 20 को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया को नया चेयरमैन कौन होगा इसको लेकर कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए पब्लिक सेलेक्शन इंटरप्राइजेस बोर्ड (पीएसईबी) की ओर से प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए सूचीबद्ध किए गए उम्मीदवारों का साक्षात्कार आगामी 20 सितंबर को होगा। सभी उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि कोल इंडिया का अगला व नया चेयरमैन कौन होगा।

मौजूदा चेयरमैन पीएम प्रसाद का कार्यकाल 31अक्टूबर 2025 तक का है। बताया जा रहा है कि 20 सितम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नए चेयरमैन के चयन के लिए साक्षात्कार होगा। इसके लिए सूचीबद्ध किए गए अधिकारियों में कोल सेक्टर के अलावा एनएमडीसी, नालको सहित अन्य कंपनियों के अधिकारी भी शामिल है। इसमें मुकेश चौधरी डायरेक्टर मार्केटिंग कोल इंडिया लिमिटेड, इन्द्र देव नारायण सीएमडी एमईसीएल, बी. साईराम सीएमडी एनसीएल, निलेंदु कुमार सिंह सीएमडी, सीसीएल, पंकज कुमार शर्मा डायरेक्टर प्रोडक्शन नालको, विश्वनाथ सुरेश डायरेक्टर कमर्शियल एनएमडीसी, विनय कुमार डायरेक्टर टेक्निकल एनएमडीसी, अनुज जैन डायरेक्टर फाइनेंस इंडियन ऑयल, हेमंत कुमार दास एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट्स पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन, आलोक सिंह प्रिंसिपल कमिश्नर आयकर विभाग राजकोट, डॉ पुड़ी हरिप्रसाद चीफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर रेलवे कोयला ऊर्जा शामिल हैं।

गेवरा पेंड्रा रेल कॉरिडोर के लिए डंप की गई राखड़ से धान की फसल बर्बाद

किसानों को भारी नुकसान, कलेक्टर से करेंगे शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गेवरा पेंड्रा रेल मार्ग के लिए बिछाई जा रही रेल पटरी और निर्माण कार्य के लिए आसपास के क्षेत्र में पिछले एक साल के दौरान बड़े पैमाने पर राखड़ डंप किया गया है। भारी बरसात के कारण बेतरतीब तरीके से डंप राखड़ खेतों में घुस गया है। जिसके कारण धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है।

गेवरा स्टेशन से कुछ दूर ग्राम भैरोताल और कुचेना सीमा पर पिछले एक साल से रेल पथ निर्माण कंपनी का कार्य चल रहा है। यहां पर समतलीकरण करने के लिए बिजली सयंत्रों से निकली राखड़ का उपयोग कर गड्ढों और खेतों में भराव किया गया है, जो गर्मी के दिन में उड़कर आसपास के रिहाइशी इलाके को प्रदूषित कर रहा था। भारी बरसात के कारण बहकर कई एकड़ क्षेत्र में लगे धान के फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच गई है। एनटीपीसी दीपका रेल लाइन के किनारे बांकी, कुसमुंडा सड़क मार्ग के बीच घिरे कई एकड़ खेत में इन दिनों धान की फसलें लगाई गई है, जो राखड़ के पट जाने से बर्बाद हो चुका है। पीड़ितों का कहना है कि क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासन प्रशासन के अधिकारी किसी ने भी उनकी सुध नही ली है। मवेशियों से फसल की सुरक्षा के लिए किसानों ने फेंसिंग पर हजारों खर्च कर किया है पर खेतों में राखड़ पटाव हो जाने से सारी उम्मीद भी खत्म हो गई हैं। मामले की शिकायत कलेक्टर से करने का मन किसानों ने बनाया है।

आंदोलन की चल रही तैयारी-ऊर्जाधानी भूविस्थापित संगठन ने किसानों की समस्या के निराकरण के लिए जिला प्रशासन और राज्य सरकार के गैरजिम्मेदाराना कार्रवाई की निंदा की है। संगठन के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कहा है कि कलेक्टर से इस संबंध में शिकायत की जाएगी। उच्च न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन भी किया जाएगा।

संविदा बिजली कर्मियों की चार सूत्रीय मांग लंबित

छत्तीसगढ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ करेगा चरणबद्ध आंदोलन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। संविदा बिजली कर्मियों की चार सूत्रीय मांग लंबित है। संविदा मजदूर संघ ने पावर कंपनी में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की है। संविदा कर्मचारियों की विद्युत दुर्घटना या सामान्य (गैर-विद्युत) दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिवार को 25 लाख रुपए का मुआवजा और तत्काल अनुकंपा नियुक्ति देने, वर्तमान में दिए जा रहे एकमुश्त वेतन में संविदा कर्मियों को महंगाई भत्ता और मकान भत्ता जोड़ने और राष्ट्रीय अवकाश में ड्यूटी करने वाले संविदा कर्मियों को अतिरिक्त भुगतान की पात्रता देने के साथ ही पूर्व में राष्ट्रीय अवकाश पर कराई गई ड्यूटी का भी अतिरिक्त भुगतान करने की मांग की है। लंबित मांगों को लेकर संघ आंदोलन की राह पर है।

छत्तीसगढ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ 19 सितंबर को प्रदेश के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। दूसरे चरण के आंदोलन में एक को संविदा कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे और दो अक्टूबर को राष्ट्रीय अवकाश के दिन ड्यूटी का बहिष्कार करेंगे। तीसरे चरण में 13 अक्टूबर को बिजली कंपनी मुख्यालय में आमसभा और प्रदर्शन करेंगे। 18 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। पदाधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2024 में संविदा कर्मियों ने नियमितीकरण की मांग को लेकर संविदा बिजली कर्मचारियों ने आंदोलन किया था। इस बीच 12 अगस्त 2024 को बिजली कंपनी प्रबंधन और संघ के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। इसके बाद 30 अगस्त 2024 को प्रबंधन ने कार्यवाही विवरण जारी कर सभी मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया था। प्रबंधन के आश्वासन को देखते हुए आंदोलन स्थगित कर दिया था। लेकिन अब संगठन का कहना है कि अब एक साल बाद भी किसी मांग पर अमल नहीं किया गया है। इसलिए मजबूर होकर फिर से आंदोलन का निर्णय लिया है।

बीएमएस ने शुरू कर दिया है आंदोलन

इधर बीएमएस ने पहले ही चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। पहले चरण के आंदोलन में बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ जिला प्रशासन और क्षेत्रीय मुख्यालयों में प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। इसमें संविदा बिजली कर्मचारियों के नियमितीकरण, प्रमोशन, कर्मचारियों को तकनीकी भत्ता, पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने सहित अन्य मांगे शामिल है। महासंघ ने कहा है कि अगर मांगे पूरी नहीं हुई तो नौ अक्टूबर को बिजली कंपनी मुख्यालय का घेराव किया जाएगा।

विद्युत ठेका श्रमिक विकास संगठन की हुई बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ विद्युत ठेका श्रमिक विकास संगठन के तत्वधान में रायपुर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश भर से छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी व छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कर्मचारियों ने भाग लिया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विभाग कर्मचारियों की अनदेखी कर रहा है। कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और बोर्ड मूक दर्शक बने देख रहा है। सालों से मिलने वाले लिव वेसेज को हटाकर कर्मचारियों के वेतन पर सीधा प्रहार किया गया है। 20 सालों से ठेका श्रमिक कार्य रहे है, किंतु विभाग द्वारा उनके वेतन बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया जाता है। पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में 3 महत्वपूर्ण मांगों पर समस्त सदस्यों ने सहमति जताई है। संगठन की मांग है कि बोर्ड द्वारा लिव वेसेज लागू करे या लागू ना करने की स्थिति में राष्ट्रीय पर्व पर अवकाश दिया जाए। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तर्ज पर निगम बोर्ड के द्वारा कर्मचारियों का न्यूनतम वेतनमान 20 हजार मासिक किया जाए। 62 साल की जॉब सुरक्षा प्रदान करें ताकि कर्मचारी बिना किसी हिचक के 62 साल तक कार्य कर सकें। उपरोक्त मांगो पर बोर्ड से शीघ्र शीघ्र विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अन्यथा पूरे प्रदेश में हड़ताल की स्थिति निर्मित होगी।

विद्युत कंपनी अध्यक्ष व फेडरेशन 01 की बैठक 9 सितंबर को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विद्युत कंपनी के अध्यक्ष डॉ रोहित यादव को छत्तीसगढ़ विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन 01 के महासचिव आरसी चेट्टी द्वारा दिए गए 7 सूत्रीय ज्ञापन पर उप महाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 9 सितंबर को कंपनी प्रबंधन एवं फेडरेशन पदाधिकारियों की द्विपक्षीय वार्ता रखी गई है।

अधिकारी/कर्मचारी के हितों से जुड़े इस महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी अध्यक्ष यादव के साथ तीनों कंपनियों के प्रबंध निदेशक एवं मानव संसाधन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में कर्मचारियों के पुरानी पेंशन की बहाली, तीनों कंपनियों के मानव संसाधन विभाग के एकीकरण, कैरियर प्रोग्रेशन, पुनर्पदसंरचना, रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदोन्नति अहर्ता में शिथिलता प्रदान करने, संविदा लाइन कर्मियों के नियमितीकरण, कार्यालय सहायक श्रेणी 3 कर्मचारियों की पांच वर्ष सेवा आधार पर पदोन्नति, निर्धारित अहर्ता रखने वाले अनेक वर्षों से कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सशर्त डाटा एंट्री ऑपरेटर पद पर नियुक्ति किए जाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में सेवा पखवाड़ा पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भाजपा जिला कार्यालय टीपी नगर में प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से 2 अक्टूबर लाल बहादुर शास्त्री व गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी की अध्यक्षता में पार्टी द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला सोमवार को दोपहर 3 बजे आयोजित की गई हैं, कार्यशाला में मुख्य वक्ता बेलतरा के पूर्व विधायक रजनीश सिंह व केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू व संयोजक डॉ. राजीव सिंह की उपस्थिति होगी।

अदानी पावर कंपनी के खिलाफ लामबंद हुए मजदूर

22 सितम्बर की अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर हुई बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अदानी पावर कंपनी के खिलाफ मजदूर लामबंद हो गए हैं। सात सूत्रीय मांगों को लेकर भू विस्थापित मजदूर संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। प्रस्तावित हड़ताल के सम्बन्ध में ग्राम मड़वारानी में भू विस्थापित मजदूर संघ बैठक हुई। बैठक में रामपुर के विधायक फूलसिंह राठिया की उपस्थिति रही। अदानी पावर के स्टेशन हेड को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि प्लांट के लिए पूर्व में लैंको कंपनी ने जमीन अधिकृत किया था तथा प्लांट की शुरुवात की थी। अभी अदानी प्लांट ने हेंडओवर किया है। यूनियन के द्वारा कई पत्र दिए जा चुके है कि इन्सेंटीव देने में वर्कर के साथ पक्षपात ना किया जाए। दीपावली उपहार, एक्सग्रेसिया बोनस दिया जाए। मांग पत्र को लेकर वार्ता की जाए। वर्कर कमेटी, कैंटीन कमेटी, वेलफेयर कमेटी, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा कमेटी का गठन कर संचालन किया जाए। स्थायी आदेश को संघ के साथ चर्चा कर पंजीकृत कराया जाए। सुरक्षा के पूरे उपाय किया जाए, परन्तु नियोक्ता, एजेंट अधिकृत अधिकारी ने यूनियन के पदाधिकारी से मौखिक चर्चा नहीं की। प्रबंधन द्वारा मौखिक रूप से कानूनी कार्रवाई करने एवं कोर्ट जाने की धमकी दी जा रही है। मांगों को पूरा करने 21सितंबर तक अल्टीमेटम दिया गया है। जिसके बाद आंदोलन किया जाएगा। बैठक में भू विस्थापित मजदूर संघ के अध्यक्ष प्रवीण ओगरे, महासचिव धनाराम खांडे, अखिलेश कुर्रे, संजय कुर्रे, रामधन मिरी, राजकुमार खुटें, राजकुमार बंजारे, शिव खुटें, चन्द्रशेखर भारद्वाज, सोबिन्द सोनवानी, बाबूलाल गोड़, गणेश राम उरांव, विजय कंवर, कली राम, मंगल सिंह, विवेक केसरिया, विरेन्द्र चंन्द्राकर, रोशन खांडे, मुकुंद खांडे, विनोद भारद्वाज, सनदिलीप, डेविड केसरिया, शशि सहित अन्य उपस्थित रहे।

यह है प्रमुख मांगें

0 प्रत्येक कर्मचारी को एक्सग्रेसिया बोनस की न्यूनतम राशि 70000 रुपए।

0 कर्मचारियों को इंसेंटिव।

0 शिफ्ट रोटर यूनियन से चर्चा कर बदला जाए।

0 पूर्व में कार्यरत दिवंगत कर्मचारी फाइनल पैसा व इंशोरेश भुगतान।

0 प्रत्येक ठेका मजदूर एवं कर्मचारी को 5 तारीख तक वेतन व वेतन पर्ची।

0 हर ठेका मजदूर को शासन के नियमानुसार बोनस

0 यूनिट 3 व 4 में 8 घंटे ड्यूटी, अतिरिक्त घंटे पर ओवर टाइम।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623